मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 263
शनिवार, 11 अप्रैल 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

वृंदावन नदी में स्टीमर पलटी: 10 लोगों की मौत, पंजाब से मथुरा आए थे श्रद्धालु, सीएम ने हादसे पर जताया दुख

मथुरा,10 अप्रैल। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में एक दर्दनाक हादसे ने श्रद्धालुओं को झकझोर कर रख दिया। यहां श्रद्धालुओं से भरी एक नाव पांटून पुल से टकराकर अचानक पलट गई, जिससे बड़ा हादसा हो गया। इस दुर्घटना में अब तक 10 लोगों की मौत की खबर सामने आई है। इस हादसे पर सीएम योगी ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

पुलिस के अनुसार, नाव में सवार श्रद्धालु पंजाब के लुधियान शहर से आए थे और वृंदावन से देवराहा बाबा मठ की ओर जा रहे थे। इसी दौरान नाव मरम्मत कार्य चल रहे पांटून ब्रिज से टकरा गई और संतुलन बिगड़ने से पलट गई।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई। राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल और फायर ब्रिगेड के जवानों ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद 22 श्रद्धालुओं को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि अन्य की तलाश जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए अधिकारियों को राहत कार्य तेज करने और घायलों को हर संभव मदद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पांटून पुल पर मरम्मत कार्य चल रहा था और उसी दौरान नाव उससे टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि नाव पलट गई और उसमें सवार लोग नदी में गिर गए। यह हादसा एक बार फिर नदी मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है। प्रशासन ने पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं।

बोलेरो-ट्रक की टक्कर में 4 लोगों की दर्दनाक मौत, 5 अन्य घायल

दमोह, 10 अप्रैल। मध्यप्रदेश के दमोह जिले में शुक्रवार को एक ट्रक बोलेरो को टक्कर मारने के बाद एक मोटरसाइकिल से जा टकराया, जिससे चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दुर्घटना दमोह-सागर राज्य राजमार्ग पर बांसा तारखेडा के समीप शुक्रवार शाम हुई और इसमें पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं।

अधिकारी ने बताया कि घटना के बाद ट्रक चालक और सहायक फरार हो गए। सागर नाका चौकी के प्रभारी विक्रम दागी ने बताया कि ट्रक ने पहले बोलेरो को टक्कर मारी और फिर वह एक मोटरसाइकिल से जा टकराया। उन्होंने कहा कि इस भीषण हादसे में मोटरसाइकिल और बोलेरो सवार चार लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने कहा कि मोटरसाइकिल पर दो सगे भाई सवार थे, जिनकी मौके पर ही मौत हो गई।

दागी के मुताबिक दोनों भाइयों की पहचान जीवन अहिरवार (33) और सूरज अहिरवार (30) के रूप में हुई है एवं वे बासा गांव के कोड़ी अहिरवार के पुत्र थे। उन्होंने बताया कि यह टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो सवार दो लोगों की भी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

उन्होंने कहा कि बोलेरो सवार मृतकों की पहचान मगरोन थानाक्षेत्र के भरतलाई गांव के संतोष चौधरी के 50 वर्षीय पुत्र राजू चौधरी और बूढ़ा गांव के राघवेन्द्र सिख सिखइया के पुत्र धर्मेंद्र (32) के रूप में हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि दुर्घटना के बाद ट्रक चालक और सहायक घटनास्थल से फरार हो गए एवं पुलिस ने मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

मीरा भायंदर में अग्नि तांडव: एक ही दिन दो जगह भीषण आग, मची अफरा-तफरी

उदयभान गुप्ता

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भाईंदर शहर में आज आग की दो बड़ी घटनाओं ने हड़कंप मचा दिया। एक ही दिन में दो अलग-अलग स्थानों पर भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पहली घटना इंद्रलोक परिसर में सामने आई, जहां अवैध पतरा से बने कमरों में आग लग गई। आग ने तेजी से फैलते हुए आसपास के हिस्सों को अपनी चपेट में ले लिया। वहीं दूसरी घटना काशीमीरा के मसाचा पाड़ा दरगाह रोड। इंद्रलोक में हुई, जहां भंगार के गोदाम में भीषण आग भड़क उठी। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास शुरू किए गए। दोनों ही घटनाओं में फिलहाल किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है,

लेकिन आग के कारण बड़े पैमाने पर नुकसान की आशंका जताई जा रही है। गौरतलब है कि इससे पहले 24 मार्च को काशीमीरा के प्लेजेन्ट पार्क स्थित मुंशी कंपाउंड में अवैध शेड में भी भीषण आग लगी थी। उस घटना के बाद महानगरपालिका ने अवैध पतरा शेड के खिलाफ कई जगहों पर तोड़क कार्रवाई भी की गई थी। इसके बावजूद आज फिर से अवैध निमार्णों में आग लगने की घटनाओं ने प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल खड़े कर दिए हैं।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अवैध शेड और भंगार गोदाम आग जैसी घटनाओं को बढ़ावा दे रहे हैं, जिससे आसपास के रहिवासियों की सुरक्षा खतरे में है। प्रशासन को मामले की जांच के आदेश देनी चाहिए और निष्पक्ष जांच कर उसे के उपर कार्रवाई करनी चाहिए।

बातचीत से पहले ईरान की शर्तें, लेबनान सीजफायर और संपत्ति रिलीज की मांग

ईरान, 10 अप्रैल। ईरान ने साफ कर दिया है कि जब तक उसकी प्रमुख शर्तें पूरी नहीं होतीं, वह किसी भी तरह की वार्ता में शामिल नहीं होगा। संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकेर गालिबफ ने शुक्रवार को यह सख्त रुख अपनाते हुए अमेरिका और सहयोगी देशों को स्पष्ट संदेश दिया।

गालिबफ ने कहा कि बातचीत शुरू होने से पहले दो अहम मुद्दों का समाधान जरूरी है- लेबनान में सीजफायर और ईरान की रोकी गई संपत्ति को जारी करना। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि इन दोनों मामलों पर पहले सहमति बन चुकी है, लेकिन अब तक इन्हें लागू नहीं किया गया है। ऐसे में बिना इन शर्तों को पूरा किए आगे बढ़ना संभव नहीं है।

गालिबफ ने दोहराया कि जब तक तय किए गए कदम पूरे नहीं होते, तब तक वार्ता शुरू नहीं हो सकती। यह बयान ऐसे समय में आया है जब क्षेत्र में कूटनीतिक हल निकालने के प्रयास तेज हो रहे हैं, लेकिन ईरान ने अपने रुख में किसी भी तरह की नरमी के संकेत नहीं दिए हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने भी अमेरिका पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि उसे अपने दायित्वों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लेबनान को सीजफायर में शामिल करना और इजरायली हमलों को रोकना समझौते की बुनियादी शर्तें हैं। अरागची ने चेतावनी दी कि अगर लेबनान में हालात नहीं सुधरे, तो व्यापक सीजफायर व्यवस्था कमजोर पड़ सकती है। इसी बीच, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वैंस शांति वार्ता के लिए इस्लामाबाद रवाना हो रहे हैं। रवाना होने से पहले उन्होंने ईरान को चेतावनी दी कि वह अमेरिका के साथ खेल न खेले। वैंस की यह यात्रा दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच काफी अहम मानी जा रही है।

बरसापारा में बारिश के बाद बरसे वैभव सूर्यवंशी, 15 गेंदों पर फिफ्टी ठोककर रचा इतिहास

नई दिल्ली। गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में शुक्रवार को बारिश के बाद वैभव सूर्यवंशी का तूफान देखने को मिला। बारिश से प्रभावित मैच में 202 रन चेज करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की ओर से यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी मैदान पर आए। दोनों ने आते ही अपनी क्लास दिखाना शुरू की। जायसवाल दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हो गए पर वैभव ने प्रहार जारी रखा। वह सिक्स में डील कर रहे थे।

15 साल के वैभव ने किसी भी गेंदबाज को नहीं छोड़ा और जोश हेजलवुड के चौथे ओवर में 3 चौकों के साथ 1 छक्का जड़ दिया। वैभव ने भुवनेश्वर कुमार की भी क्लास लगाई। 5वें ओवर में उन्होंने 2 हवाई फायर किए और एक चौका जड़ा। इसके साथ ही युवा बल्लेबाज ने 15 गेंदों पर इस सीजन की दूसरी फिफ्टी लगाई।

पश्चिम बंगाल में ममता सरकार ने स्कूल नहीं, मदरसे बनवाए': अमित शाह

कोलकता, 10 अप्रैल। पश्चिम बंगाल में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को पश्चिम मेदिनीपुर के डेबरा में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया और तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। शाह ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार गरीब छात्रों के लिए शैक्षिक बुनियादी ढांचे में सुधार करने के बजाय मदरसे बनाने को प्राथमिकता देती है। उन्होंने सत्ताधारी पार्टी पर विकास के प्रमुख मुद्दों की अनदेखी करने का आरोप लगाया और दावा किया कि टीएमसी की नीतियां वंचित समुदायों को और भी पीछे धकेल रही हैं।

शाह ने घाटाल में बाढ़ की पुरानी समस्या का भी ज़िक्र किया और टीएमसी की इस बात के लिए आलोचना की कि उसने केंद्र सरकार के एक बड़े प्रस्ताव को ठुकरा दिया। घाटाल में बाढ़ आने के बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने घाटाल के विकास के लिए 1,500 करोड़ रुपये की एक मास्टर प्लान भेजी थी। इस फंड का 60% हिस्सा प्रधानमंत्री मोदी को देना था, लेकिन टीएमसी सरकार ने घाटाल मास्टर प्लान को ही रद्द कर दिया। वोटरों से सीधे जुड़ते हुए शाह ने आगे कहा, चिंता मत कीजिए, बीजेपी की सरकार बनाइए... हम एक साल के अंदर घाटाल मास्टर प्लान को लागू करेंगे और बाढ़ की समस्या को हमेशा के लिए खत्म कर देंगे।₹ उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि अगर भारतीय जनता पार्टी चुनाव जीतती है, तो इस प्रोजेक्ट पर तेजी से काम किया जाएगा ताकि इस इलाके को बाढ़ से हमेशा के लिए राहत मिल सके।

शाह ने ममता पर घुसपैठियों को बचाने का भी आरोप लगाया और जोर देकर कहा कि अगर बीजेपी सत्ता में आती है, तो वह राज्य से हर अवैध प्रवासी की पहचान करके उसे बाहर निकाल देगी।

महिला आरक्षण पर विपक्ष को एकजुट करेंगे खरगे

नई दिल्ली। सीडब्ल्यूसी की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि पार्टी महिला आरक्षण के मुद्दे पर विपक्षी पार्टियों के साथ मिलकर आगे बढ़ेगी। खड़गे ने कहा कि प्रस्तावित संशोधनों का हमारी चुनावी व्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता है; इसलिए एक सामूहिक रणनीति बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जब 2023 में बिल पास हुआ था, तब कांग्रेस ने महिला आरक्षण को तुरंत लागू करने की मांग की थी, लेकिन सरकार इसे परिसीमन और जनगणना के बाद लागू करना चाहती थी। सीडब्ल्यूसी की बैठक के बाद खड़गे ने कहा, महिलाओं और हाशिए पर पड़े वर्गों के कल्याण जैसे मुद्दों पर हमें किसी से भी मंजूरी लेने की जरूरत नहीं है। महिला आरक्षण विधेयक से जुड़े घटनाक्रम पर चर्चा के लिए कांग्रेस सीडब्ल्यूसी ने शुक्रवार को बैठक की. बैठक में कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, रेवंत रेड्डी, सुखविंदर सिंह सुखो जैसे कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बैठक में उपस्थित अन्य लोगों में जीतेंद्र सिंह, चरणजीत सिंह चन्नी, सलमान खुर्शीद, दीपादास मुंसी, आनंद शर्मा, सारिक अनवर, सचिन पायलट, अंबिका सोनी, नासिर हुसैन और भूपेश बघेल शामिल थे। कांग्रेस पार्टी ने संसद के तीन दिन के विशेष सत्र से पहले, जो 16 अप्रैल से शुरू होने वाला है, महिला आरक्षण बिल पर एक बैठक बुलाई है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

किशोर आक्रामकता एवं हिंसा पर अंकुश लगाने की पहल हो

-ललित गर्ग

भारतीय किशोरों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति एवं क्रूर मानसिकता चिन्ताजनक है, नये भारत एवं विकसित भारत के भाल पर यह बदनुमा दाग है। पिछले कुछ समय से किशोरों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी, मर्मांतक एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में किशोरों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता एवं क्रूर मानसिकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। बदलते समय के साथ समाज के व्यवहार में आई यह हिंसक तीव्रता और आक्रामकता अब केवल वयस्कों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका सबसे चिंताजनक प्रभाव किशोर पीढ़ी पर स्पष्ट रूप से दिखाई देना ज्यादा परेशान करने वाला है। हाल के वर्षों में किशोरों द्वारा किए गए अपराधों की संख्या और उनकी क्रूरता ने पूरे समाज को झकझोर दिया है। यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह गया, बल्कि यह सामाजिक संरचना, पारिवारिक मूल्यों, शिक्षा व्यवस्था और सांस्कृतिक प्रभावों के गहरे संकट का संकेतक बन चुका है।

दिल्ली के दयालपुर क्षेत्र में मात्र चार सौ रुपये के विवाद में एक युवक की नृशंस हत्या, जिसमें तीन किशोरों ने बेरहमी से चाकू घोंपे और चौथा उसका वीडियो बनाता रहा, इस विकृति का भयावह उदाहरण है। यह घटना केवल एक हत्या नहीं, बल्कि संवेदनाओं के क्षरण, नैतिकता के पतन और कानून के भय के समाप्त हो जाने का प्रतीक है। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि आखिर किशोरों में यह दुस्साहस और हिंसात्मक प्रवृत्ति कहां से जन्म ले रही है? वस्तुतः, किशोर अपराधों के बढ़ते ग्राफ के पीछे कई परस्पर जुड़े हुए कारण हैं, जिनका विश्लेषण आवश्यक है। सबसे पहला और प्रमुख कारण है पारिवारिक संरचना का विघटन। पहले संयुक्त परिवारों में बच्चों को दादा-दादी, चाचा-चाची और अन्य सदस्यों के सान्निध्य में नैतिकता, अनुशासन और सामाजिक मयार्दाओं का सहज प्रशिक्षण मिलता था। आज एकल परिवारों में माता-पिता की व्यस्तता और समयाभाव के कारण बच्चों के साथ संवाद का अभाव हो गया है। परिणामस्वरूप, किशोर अपनी समस्याओं और जिज्ञासाओं का समाधान बाहर ढूंढते हैं, जो कई बार उन्हें गलत दिशा में ले जाता है।

दूसरा महत्वपूर्ण कारण है डिजिटल और सोशल मीडिया का अनियंत्रित प्रभाव। इंटरनेट ने जहां ज्ञान के द्वार खोले हैं, वहीं अपराध, हिंसा और अश्लीलता से भरी सामग्री भी किशोरों के लिए सहज उपलब्ध कर दी है। फिल्मों, वेब सीरीज और टीवी धारावाहिकों में हिंसा को जिस प्रकार ग्लैमराइज किया जाता है, वह किशोर मन को प्रभावित करता है। वे अपराध को एक साहसिक कार्य या रोमांच के रूप में देखने लगते हैं। कई बार वे यह भूल जाते हैं कि वास्तविक जीवन में इसके गंभीर और जीवन विनाशक घातक परिणाम होते हैं। तीसरा पहलू शिक्षा व्यवस्था का है। आज शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा और रोजगार तक सीमित हो गया है। नैतिक शिक्षा, चरित्र निर्माण और जीवन मूल्यों पर आधारित शिक्षण लगभग समाप्त हो गया है। शिक्षकों की भूमिका भी अब मार्गदर्शक की बजाय केवल पाठ्यक्रम पूर्ण करने तक सीमित हो गई है। विद्यालयों में अनुशासन और संवाद का जो वातावरण होना चाहिए, वह धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा है।

इसके अतिरिक्त, समाज में बढ़ती असहिष्णुता और आक्रामकता भी किशोरों को प्रभावित कर रही है। जब वे अपने आसपास छोटे-छोटे विवादों में लोगों को हिंसक होते देखते हैं, तो यह उनके लिए सामान्य व्यवहार बन जाता है। राजनीति, मीडिया और सामाजिक जीवन में बढ़ती कटुता और टकराव की प्रवृत्ति किशोरों के मन में भी उसी प्रकार की प्रतिक्रियाएं उत्पन्न करती है। किशोर अपराधों के पीछे एक और गंभीर कारण है आपराधिक गिरोहों द्वारा उनका उपयोग। चूंकि कानून में किशोरों के लिए अपेक्षाकृत नरमी होती है, इसलिए अपराधी गिरोह उन्हें अपने कार्यों के लिए मोहरे के रूप में इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति भी किशोरों को अपराध की ओर धकेलती है। नशे की लत पूरी करने के लिए वे चोरी, लूट और यहां तक कि हत्या जैसे गंभीर अपराध करने से भी नहीं हिचकते।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि किशोर न्याय से जुड़े कानूनों का लचीलापन कई बार अपराधियों के लिए सुरक्षा कवच बन जाता है। गंभीर अपराधों में संलिप्त होने के बावजूद किशोरों को शीघ्र रिहा कर दिया जाता है, जिससे उनमें कानून का भय समाप्त हो जाता है। इस संदर्भ में यह बहस भी समय-समय पर उठती रही है कि गंभीर अपराधों में संलिप्त किशोरों के लिए वयस्कों जैसा दंड प्रावधान होना चाहिए या नहीं? हालांकि केवल कानून को कठोर बनाना ही समाधान नहीं है। समस्या की जड़ें कहीं अधिक गहरी हैं और इसके समाधान के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा। सबसे पहले परिवार को अपनी भूमिका को पुनः समझना होगा। बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना, उनके मानसिक और भावनात्मक विकास पर ध्यान देना और उन्हें सही-गलत का अंतर समझाना अत्यंत आवश्यक है। माता-पिता को यह समझना होगा कि केवल भौतिक सुविधाएं प्रदान करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि समय और संस्कार देना अधिक महत्वपूर्ण है।

दूसरे, शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। विद्यालयों में नैतिक शिक्षा, जीवन कौशल और व्यवहारिक प्रशिक्षण को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए। शिक्षकों को केवल ज्ञान प्रदाता नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और प्रेरक की भूमिका निभानी होगी। स्कूलों में काउंसलिंग व्यवस्था को मजबूत करना भी जरूरी है ताकि किशोर अपनी समस्याओं को साझा कर सकें। तीसरे, मीडिया और मनोरंजन उद्योग को भी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी समझनी होगी। हिंसा और अपराध को महिमामंडित करने के बजाय सकारात्मक और प्रेरणादायक सामग्री का निर्माण किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी कंटेंट की निगरानी और नियंत्रण को सख्ती से लागू करना होगा। चौथे, पुलिस और प्रशासन को अपनी कार्यशैली में बदलाव लाना होगा। केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करने के बजाय, अपराध की रोकथाम पर अधिक ध्यान देना होगा। समुदाय आधारित पुलिसिंग, स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम और किशोरों के साथ संवाद जैसी पहलें प्रभावी हो सकती हैं।

ऑस्ट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, चिड़चिड़ापन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं। एकाकीपन बढ़ने से वे ज्यादा आक्रामक और विध्वंसक सोच की तरफ बढ़ने लगे हैं। मोबाइल व कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बह रहे नीले जहर से किशोर अराजक यौन व्यवहार एवं हिंसक प्रवृत्तियों की तरफ उन्मुख हुए हैं। किशोरों को समझाने वाला कोई नहीं है कि यह रास्ता आत्मघात का है। आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व ब्रिटेन जैसे देश किशोरों को मोबाइल से दूर रखने हेतु कानून बना रहे हैं। हमारे देश में भी शीर्ष अदालत ने समय-समय पर ऐसी घटनाओं पर तल्ख टिप्पणियां की हैं। क्या इन दर्दनाक घटनाओं से हमारे अभिभावकों, समाज-निमार्ताओं एवं हमारे सत्ताधीशों की आंख खुलेगी? बच्चों से जुड़ी हिंसा की इन वीभत्स एवं त्रासद घटनाओं से जिन्दगी सहम गयी है। हमें मानवीय मूल्यों के लिहाज से भी विकास एवं नयी समाज-व्यवस्था की परख करनी होगी। बच्चों के भीतर हिंसा मनोरंजन की जगह ले रही है। इसी का नतीजा है कि छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी अपने किसी सहपाठी की हत्या तक कर रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा? यदि एक किशोर अपराध की राह पर जाता है, तो उसमें कहीं न कहीं परिवार, समाज, शिक्षा और व्यवस्था की भी जिम्मेदारी होती है। आज आवश्यकता है एक समन्वित और संवेदनशील दृष्टिकोण की, जिसमें सरकार, समाज, परिवार और शिक्षा संस्थाएं मिलकर कार्य करें। केवल दंड से नहीं, बल्कि संवाद, संस्कार और सकारात्मक मार्गदर्शन से ही इस समस्या का स्थायी समाधान संभव है। यदि समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह आक्रामकता आने वाली पीढ़ियों के लिए और भी गंभीर संकट का रूप ले सकती है। इसलिए यह समय चेतने का है, सोचने का है और मिलकर समाधान खोजने का है, ताकि हमारी किशोर पीढ़ी हिंसा की राह छोड़कर सृजन और संवेदना के मार्ग पर अग्रसर हो सके।

केंद्र की राजनीति में नीतीश, बिहार में भाजपा युग

-अजय कुमार

करीब दो दशकों तक बिहार की सत्ता के केंद्र में रहे नीतीश कुमार का राज्यसभा की राह पकड़ना केवल एक राजनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि उस लंबे दौर का मोड़ है जिसने 2005 के बाद बिहार की राजनीति की दिशा तय की। जिस नेता ने करीब 21 वर्षों तक राज्य की सत्ता को प्रभावित किया, वही अब दिल्ली की राजनीति में नई भूमिका निभाने की तैयारी में हैं। यह बदलाव इसलिए भी अहम है क्योंकि बिहार की राजनीति लंबे समय से एक ही नेतृत्व के इर्द-गिर्द घूमती रही है और अब पहली बार इतने लंबे कार्यकाल के बाद सत्ता में बड़ा संक्रमण दिखाई दे रहा है। आंकड़ों के लिहाज से देखा जाए तो नीतीश कुमार का मुख्यमंत्री कार्यकाल बिहार के इतिहास में सबसे लंबे और प्रभावशाली कार्यकालों में गिना जाता है। नवंबर 2005 में स्थायी सरकार बनने के बाद से अप्रैल 2026 तक, अलग-अलग चरणों को जोड़कर उन्होंने लगभग 18 से 19 वर्षों तक मुख्यमंत्री पद संभाला। इस दौरान वे कुल 10 बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड माना जाता है। 2000 में पहली बार वे सात दिन के लिए मुख्यमंत्री बने थे, लेकिन बहुमत साबित न कर पाने के कारण उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। इसके बाद 24 नवंबर 2005 को दूसरी बार मुख्यमंत्री बनने के साथ ही बिहार में स्थिर सरकार का दौर शुरू हुआ।

राजनीतिक सफर के शुरूआती चरण पर नजर डालें तो 1985 में पहली बार विधायक बनने के साथ उनकी सक्रिय राजनीति शुरू हुई। उसके चार साल बाद, यानी 1989 में वे पहली बार लोकसभा पहुंचे। 1989 से 2004 तक लगातार चार बार लोकसभा सदस्य चुने जाने का रिकॉर्ड उनके नाम रहा। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार में कई महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारियां निभाई। 1990 के दशक में कृषि राज्य मंत्री के रूप में काम करने के बाद 1998 से 2004 के बीच रेल मंत्री और भूतल परिवहन मंत्री जैसे अहम मंत्रालय संभाले। रेल मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में कई नई रेल परियोजनाएं शुरू हुईं और यात्री सुविधाओं में सुधार के प्रयास किए गए, जिससे उन्हें प्रशासनिक अनुभव मिला। 2005 में जब उन्होंने बिहार की सत्ता संभाली, तब राज्य की स्थिति कई मायनों में चुनौतीपूर्ण थी। उस समय राज्य की सड़क व्यवस्था कमजोर मानी जाती थी और ग्रामीण क्षेत्रों में संपर्क मार्गों की कमी थी। 2005 के बाद के वर्षों में हजारों किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का निर्माण कराया गया। आंकड़ों के अनुसार, 2005 से 2020 के बीच राज्य में लाखों किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का निर्माण और मरम्मत कार्य हुआ, जिससे गांवों को जिला मुख्यालय से जोड़ने की प्रक्रिया तेज हुई।

शिक्षा क्षेत्र में भी उनके कार्यकाल को बदलाव के दौर के रूप में देखा गया। 2006 में शुरू की गई साइकिल योजना का प्रभाव सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। इस योजना के तहत अब तक एक करोड़ से अधिक छात्र-छात्राओं को साइकिल उपलब्ध कराई गई, जिससे खासकर लड़कियों की स्कूल पहुंच बढ़ी। 2005 में जहां माध्यमिक स्तर पर लड़कियों का नामांकन प्रतिशत अपेक्षाकृत कम था, वहीं अगले दस वर्षों में इसमें उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। इसी तरह पोशाक योजना और छात्रवृत्ति योजनाओं ने भी स्कूलों में उपस्थिति बढ़ाने में भूमिका निभाई।पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला उनके शासनकाल की सबसे बड़ी प्रशासनिक पहलों में गिना जाता है। बिहार देश के उन शुरूआती राज्यों में शामिल हुआ, जहां पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी इतनी बड़ी संख्या में बढ़ी। इसके बाद हजारों महिलाएं मुखिया, वार्ड सदस्य और जिला परिषद सदस्य के रूप में सामने आईं। इस फैसले ने ग्रामीण राजनीति का स्वरूप बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्वास्थ्य क्षेत्र में भी कई बदलाव दर्ज किए गए। 2005 के बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या बढ़ाई गई और जिला अस्पतालों में सुविधाओं के विस्तार की प्रक्रिया शुरू हुई। सरकारी अस्पतालों में मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि दर्ज की गई, जिसे स्वास्थ्य सेवाओं तक बढ़ती पहुंच का संकेत माना गया।हालांकि उनकी राजनीति केवल विकास योजनाओं तक सीमित नहीं रही। गठबंधन की राजनीति में बार-बार बदलाव उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पहचान बन गई। वर्ष 2013 में उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से अलग होकर नई राजनीतिक दिशा अपनाई। 2017 में फिर उसी गठबंधन में वापसी की। 2022 में उन्होंने एक बार फिर दिशा बदली और 2024 में पुनः उसी गठबंधन में शामिल हो गए। लगभग 11 वर्षों के भीतर चार बड़े राजनीतिक बदलाव उनके राजनीतिक जीवन की जटिलता को दशार्ते हैं।2025 के बिहार विधानसभा चुनाव को भी उनके राजनीतिक जीवन का अहम मोड़ माना जा रहा है। राज्य की 243 सीटों वाली विधानसभा में गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिला और इसके बाद उन्होंने दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। लेकिन चुनाव के चार-पांच महीने के भीतर ही राज्यसभा की ओर बढ़ने का फैसला यह संकेत देता है कि यह केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि व्यापक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है।

राज्यसभा में जाने के साथ ही एक और अहम रिकॉर्ड उनके नाम जुड़ गया है। वे उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने लोकतांत्रिक व्यवस्था के चारों सदनों विधानसभा, विधान परिषद, लोकसभा और राज्यसभा की सदस्यता का अनुभव हासिल किया है। भारतीय राजनीति में ऐसे नेताओं की संख्या बहुत कम मानी जाती है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि दिल्ली में उनकी भूमिका क्या होगी। लंबे प्रशासनिक अनुभव के आधार पर यह माना जा रहा है कि वे राष्ट्रीय स्तर पर नीति निर्माण या गठबंधन प्रबंधन में अहम भूमिका निभा सकते हैं। पिछले 30 से अधिक वर्षों के संसदीय अनुभव और लगभग दो दशकों के मुख्यमंत्री कार्यकाल ने उन्हें एक ऐसे नेता के रूप में स्थापित किया है, जो जटिल राजनीतिक समीकरणों को समझने और संतुलित करने में सक्षम माने जाते हैं।दूसरी ओर, बिहार में सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया ने नई राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है। नए मुख्यमंत्री के नाम को लेकर लगातार चर्चा चल रही है। राज्य में करीब 13 करोड़ की आबादी और 38 जिलों वाले इस बड़े राज्य का नेतृत्व संभालना आसान नहीं माना जाता। नए नेतृत्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होगी कि पिछले वर्षों में शुरू की गई योजनाओं को जारी रखा जाए और साथ ही नई प्राथमिकताओं को भी लागू किया जाए।

बिहार की राजनीति इस समय एक संक्रमण काल से गुजर रही है। पिछले लगभग 20 वर्षों में जो प्रशासनिक ढांचा तैयार हुआ, उसे बनाए रखना और आगे बढ़ाना नई सरकार के लिए सबसे बड़ी परीक्षा होगी। साथ ही यह भी देखा जाएगा कि क्या नई सरकार विकास की उसी गति को बनाए रख पाती है, जो पिछले वर्षों में देखने को मिली थी। नीतीश कुमार का दिल्ली की ओर बढ़ना उनके राजनीतिक जीवन का एक पूर्ण चक्र भी माना जा रहा है। जिस नेता ने सांसद के रूप में अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत की थी, वही अब मुख्यमंत्री पद से हटकर फिर संसद की ओर लौट रहा है। यह बदलाव केवल पद का परिवर्तन नहीं, बल्कि बिहार और राष्ट्रीय राजनीति दोनों के लिए एक नए दौर की शुरूआत का संकेत है। आने वाले महीनों में यह स्पष्ट होगा कि यह फैसला केवल जिम्मेदारी बदलने तक सीमित था या फिर राष्ट्रीय स्तर पर किसी बड़े राजनीतिक किरदार की भूमिका तय करने की तैयारी।

पश्चिम बंगाल में बीजेपी का छह माह में यूसीसी, महिलाओं को तीन हजार महीना वाला मास्टरस्ट्रोक

-संजय सक्सेना

भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल के आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अपना संकल्प पत्र जारी कर दिया है, जिसमें भय बनाम भरोसे के मुद्दे को केंद्र में रखकर प्रदेश की राजनीति में एक बड़े बदलाव का आह्वान किया गया है। पार्टी के इस घोषणा पत्र में सबसे प्रमुख और प्रभावशाली वादा सरकार बनने के मात्र छह महीने के भीतर समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी को लागू करने का है, जिस पर तृणमूल नेत्री और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी अपनी पार्टी का पक्ष रखना पड़ेगा। ममता इसका विरोध करेंगी तो हिन्दू वोटर और समर्थन करेंगी तो मुस्लिम वोटर उनसे दूर जा सकता है। बीजेपी ने इसके साथ ही महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक महिला को हर महीने तीन हजार रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने की घोषणा की है, जो राज्य की मौजूदा राजनीति में एक मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है। भाजपा ने अपने इस पत्र के माध्यम से यह संदेश देने की कोशिश की है कि वह बंगाल में तुष्टीकरण की राजनीति को समाप्त कर कानून का शासन और सर्वांगीण विकास का नया अध्याय शुरू करना चाहती है। घोषणा पत्र में बंगाल की अस्मिता, सुरक्षा और समृद्धि को आधार बनाकर कई ऐसे वादे किए गए हैं, जो समाज के हर वर्ग को छूने का प्रयास करते हैं।

समान नागरिक संहिता का वादा न केवल सामाजिक समानता की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि इसे भाजपा की विचारधारा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता के रूप में भी देखा जा रहा है। इसके अतिरिक्त महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए पार्टी ने लक्ष्मी भंडार जैसी मौजूदा योजनाओं के जवाब में तीन हजार रुपये की बड़ी राशि का संकल्प लिया है, ताकि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा सके। शिक्षा के क्षेत्र में भाजपा ने बांग्ला भाषा को प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक अनिवार्य करने और तकनीकी पाठ्यक्रमों को स्थानीय भाषा में उपलब्ध कराने की बात कही है, जिससे बंगाल की सांस्कृतिक पहचान को मजबूती मिलेगी। कृषि क्षेत्र के लिए भी इस संकल्प पत्र में विशेष प्रावधान किए गए हैं, जिनमें किसानों को प्रति वर्ष मिलने वाली आर्थिक सहायता में वृद्धि और फसलों के उचित मूल्य की गारंटी शामिल है। इसके अलावा युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करने हेतु राज्य में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने और बंद पड़ी जूट मिलों को पुनर्जीवित करने का खाका खींचा गया है। घोषणा पत्र में भ्रष्टाचार के विरुद्ध शून्य सहनशीलता की नीति अपनाते हुए सरकारी नियुक्तियों में पारदर्शिता लाने और भर्ती घोटालों की जांच के लिए विशेष आयोग गठित करने का वादा किया गया है।

स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति को सुधारने के लिए राज्य में आयुष्मान भारत योजना को तत्काल प्रभाव से लागू करने की बात कही गई है, जिससे गरीब परिवारों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिल सकेगा। सीमावर्ती क्षेत्रों में घुसपैठ की समस्या को रोकने और सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए आधुनिक तकनीक और अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती का संकल्प भी इस घोषणा पत्र का अहम हिस्सा है।पर्यटन और संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शक्तिपीठों के विकास और धार्मिक पर्यटन केंद्रों के सौंदर्यीकरण की योजना भी पेश की गई है। भाजपा ने अपने इस चुनावी दस्तावेज में मछुआ समुदाय और अनुसूचित जाति व जनजाति के कल्याण के लिए विशेष वित्तीय पैकेज और आरक्षण के लाभों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने का आश्वासन दिया है। आधारभूत संरचना के विकास के लिए नई सड़कों, पुलों और शहरी सुविधाओं के विस्तार पर भी जोर दिया गया है, ताकि बंगाल को निवेश के लिए एक आकर्षक केंद्र बनाया जा सके।

राज्य की कानून व्यवस्था को सुधारने के लिए पुलिस बल के आधुनिकीकरण और राजनीतिक हिंसा को पूरी तरह समाप्त करने का वादा करते हुए भाजपा ने जनता को एक भयमुक्त वातावरण देने का भरोसा दिलाया है। घोषणा पत्र में विशेष रूप से चाय बागान श्रमिकों के वेतन में वृद्धि और उनके जीवन स्तर को सुधारने के लिए विशेष आवास योजना का जिक्र किया गया है। पर्यावरण संरक्षण और सुंदरबन जैसे पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों के विकास के लिए भी एक समर्पित कार्ययोजना तैयार करने की बात कही गई है। इस संकल्प पत्र के माध्यम से भाजपा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उसका लक्ष्य केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि व्यवस्था परिवर्तन है। प्रत्येक घर को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाने और गांवों में इंटरनेट कनेक्टिविटी सुधारने का भी संकल्प लिया गया है। कुल मिलाकर भाजपा का यह घोषणा पत्र एक ऐसे बंगाल की परिकल्पना करता है, जहां विकास की धारा अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और सांस्कृतिक गौरव के साथ-साथ आर्थिक प्रगति के नए आयाम स्थापित हों। यह घोषणा पत्र आगामी चुनावों में पार्टी के लिए एक प्रमुख वैचारिक हथियार साबित होगा, जो मतदाताओं के सामने भविष्य का एक स्पष्ट खाका प्रस्तुत करता है।

वीआईपी दर्शन और आम श्रद्धालु की उपेक्षा पर एक गंभीर सवाल

- डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत जैसे देश में, जहाँ धर्म और आस्था केवल व्यक्तिगत विश्वास का विषय नहीं बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, वहाँ मंदिरों और तीर्थ स्थलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। ये स्थान सदियों से समानता, शांति, और आध्यात्मिक संतुलन के प्रतीक माने जाते रहे हैं। भगवान के दरबार में सब बराबर हैं—यह वाक्य केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि भारतीय समाज की गहरी मान्यता रहा है। लेकिन बीते कुछ वर्षों में इस मान्यता पर प्रश्नचिह्न लगते दिखाई दे रहे हैं। देश के कई प्रमुख मंदिरों और तीर्थ स्थलों पर वीआईपी दर्शन, विशेष पूजन-अभिषेक और आरती के नाम पर भारी शुल्क वसूले जा रहे हैं। इन सेवाओं के बदले श्रद्धालुओं को लंबी कतारों से मुक्ति, कम समय में दर्शन, और अधिक सुविधाजनक अनुभव दिया जाता है। पहली नजर में यह व्यवस्था एक विकल्प के रूप में दिखाई देती है, लेकिन जब इसका असर आम श्रद्धालुओं के अनुभव पर पड़ता है, तब यह एक गंभीर सामाजिक समस्या बन जाती है।

आज स्थिति यह है कि एक ओर वे लोग हैं जो अतिरिक्त पैसे देकर कुछ ही मिनटों में आराम से दर्शन कर लेते हैं, वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में आम लोग घंटों, कभी-कभी पूरे दिन, कतारों में खड़े रहते हैं। इस दौरान उन्हें भीड़, धक्का-मुक्की, बदतमीजी और कई बार मारपीट जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है। यह अनुभव केवल असुविधाजनक नहीं, बल्कि अपमानजनक भी होता है—विशेषकर तब जब व्यक्ति अपनी आस्था और श्रद्धा के साथ वहां पहुंचा हो।

यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या आस्था भी अब एक ह्लप्रीमियम सेवाह्व बनती जा रही है? क्या भगवान के दर्शन के लिए भी आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव होना चाहिए? यह स्थिति केवल धार्मिक स्थलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज में बढ़ती असमानता का प्रतिबिंब भी है। राशन की दुकानों से लेकर गैस सिलेंडर की लाइन तक, और अब मंदिरों तक—मिडल क्लास और आम आदमी के हिस्से में अक्सर अव्यवस्था और संघर्ष ही आता है।

वीआईपी संस्कृति के पक्ष में तर्क दिया जाता है कि इससे मंदिरों को अतिरिक्त राजस्व मिलता है, जिससे उनकी व्यवस्था और सुविधाओं को बेहतर बनाया जा सकता है। यह तर्क कुछ हद तक सही भी है। बड़े मंदिरों में रोजाना लाखों श्रद्धालु आते हैं, जिनकी व्यवस्था करना आसान नहीं होता। ऐसे में यदि कुछ लोग अतिरिक्त शुल्क देकर अलग व्यवस्था चाहते हैं, तो उससे प्राप्त धन का उपयोग सार्वजनिक सुविधाओं में किया जा सकता है। लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब यह व्यवस्था असंतुलित हो जाती है। जब वीआईपी सुविधाएं इतनी अधिक हो जाती हैं कि आम श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध संसाधन और समय कम पड़ने लगते हैं, तब यह एक प्रकार का अन्याय बन जाता है। कई बार देखा गया है कि वीआईपी दर्शन के लिए सामान्य कतारों को रोका जाता है, जिससे आम लोगों का इंतजार और बढ़ जाता है। इससे असंतोष और आक्रोश पैदा होना स्वाभाविक है।

इसके अलावा, मंदिरों में कार्यरत कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों का व्यवहार भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। कई मामलों में आम श्रद्धालुओं के साथ कठोर और अपमानजनक व्यवहार किया जाता है, जबकि वीआईपी लोगों के साथ अत्यधिक विनम्रता दिखाई जाती है। यह दोहरा व्यवहार समाज में पहले से मौजूद वर्ग विभाजन को और गहरा करता है। धार्मिक स्थलों की मूल भावना पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं होते, बल्कि वे मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन के केंद्र होते हैं। जब वहां पहुंचने वाला व्यक्ति अव्यवस्था, भीड़ और भेदभाव का सामना करता है, तो उसकी आध्यात्मिक अनुभूति प्रभावित होती है। यह अनुभव उसे निराश और हताश कर सकता है।

इस समस्या का समाधान आसान नहीं है, लेकिन असंभव भी नहीं। सबसे पहले, मंदिर प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वीआईपी सेवाओं की संख्या और प्रभाव सीमित रहे। इन सेवाओं का उद्देश्य केवल अतिरिक्त सुविधा प्रदान करना होना चाहिए, न कि आम श्रद्धालुओं के अधिकारों को कम करना।

दूसरा, भीड़ प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है। ऑनलाइन बुकिंग, टाइम स्लॉट सिस्टम, और डिजिटल कतार प्रबंधन जैसे उपायों से भीड़ को बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा सकता है। इससे सभी श्रद्धालुओं को एक व्यवस्थित और सम्मानजनक अनुभव मिल सकता है। तीसरा, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों को संवेदनशीलता और शिष्टाचार का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। हर श्रद्धालु, चाहे वह वीआईपी हो या आम व्यक्ति, सम्मान का पात्र है। यह भावना केवल नीतियों में नहीं, बल्कि व्यवहार में भी दिखाई देनी चाहिए।

चौथा, सरकार और संबंधित ट्रस्टों को इस मुद्दे पर स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाने चाहिए। धार्मिक स्थलों पर समानता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है। अंततः, यह भी जरूरी है कि समाज स्वयं इस मुद्दे पर जागरूक हो। जब तक लोग इस असमानता को सामान्य मानते रहेंगे, तब तक इसमें बदलाव आना कठिन है। आस्था का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि समानता, करुणा और न्याय जैसे मूल्यों को अपनाना भी है। आज समय आ गया है कि हम यह सोचें कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। क्या हम ऐसे समाज की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ भगवान के दर्शन भी पैसे और पहुँच के आधार पर तय होंगे? या हम उस मूल भावना को बचाए रखेंगे, जिसमें हर व्यक्ति को समान अधिकार और सम्मान प्राप्त हो? मंदिरों की पवित्रता केवल उनकी भव्यता या व्यवस्था से नहीं, बल्कि वहां मिलने वाले अनुभव से तय होती है। यदि वह अनुभव भेदभाव और असमानता से भरा होगा, तो आस्था की नींव कमजोर पड़ जाएगी। इसलिए यह जरूरी है कि हम इस मुद्दे को गंभीरता से लें और मिलकर एक ऐसा वातावरण बनाएं, जहाँ हर श्रद्धालु को यह महसूस हो कि वह वास्तव में भगवान के दरबार में है—जहाँ सब बराबर हैं।

भारत की परमाणु सफलता पर क्या बोला चीन? चौंकी दुनिया

-अभिनय आकाश

भारत का सबसे उन्नत और स्वदेशी तकनीक से डिजाइन किया गया रिएक्टर अब पूरी तरह सक्रिय होने की स्थिति में आ गया है। चीनी मीडिया ने माना कि भारत अब अपने तीन चरणों वाले परमाणु कार्यक्रम के दूसरे और सबसे महत्वपूर्ण चरण में सफलतापूर्वक प्रवेश कर चुका है।

भारत को परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में मिली कामयाबी ने ना केवल पश्चिमी देशों को हैरान किया बल्कि हमारे पड़ोसी मुल्क चीन को भी तारीफ करने पर मजबूर कर दिया। तमिलनाडु के कलपक्कम में भारत के स्वदेशी प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ने क्रिटिकिटी हासिल कर ली। यह कामयाबी इतनी बड़ी है कि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख ने इसे दुनिया के लिए एक मिसाल बताया और सबसे बड़ी बात चीन की मीडिया ने भी भारत की इस सफलता को अपने यहां प्रमुखता से जगह दी। दरअसल अक्सर भारतीय उपलब्धियों पर खामोश रहने वाली चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ ने इस बार भारत की सफलता को प्रमुखता से जगह दी। शिन्हुआ ने अपने रिपोर्ट में लिखा कि भारत ने अपने परमाणु कार्यक्रम में एक मील का पत्थर छू लिया है। भारत का सबसे उन्नत और स्वदेशी तकनीक से डिजाइन किया गया रिएक्टर अब पूरी तरह सक्रिय होने की स्थिति में आ गया है। चीनी मीडिया ने माना कि भारत अब अपने तीन चरणों वाले परमाणु कार्यक्रम के दूसरे और सबसे महत्वपूर्ण चरण में सफलतापूर्वक प्रवेश कर चुका है।

कहीं ना कहीं चीन के लिए भी एक बड़ा संकेत कि परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में भारत अब आत्मनिर्भरता की उस दहलीज पर खड़ा है जहां उसे हराना मुश्किल होगा और सिर्फ चीन ही नहीं भारत की इस सफलता पर पूरी दुनिया में परमाणु सुरक्षा की निगरानी करने वाली संस्था आईएईए के प्रमुख राफेल मैरियानी ग्रोसी ने भारत की इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की। उन्होंने इस सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर प्रधानमंत्री मोदी को बधाई देते हुए कहा कि यह रिएक्टर भारत के उज्जवल और स्वच्छ ऊर्जा के भविष्य के लिए एक बड़ा संकेत है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आईएईए भारत के परमाणु कार्यक्रम को और सुरक्षित और मजबूत बनाने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर काम करता रहेगा। कुल मिलाकर देखा जाए तो भारत की सफलता पर इस वक्त पूरी दुनिया की नजर है। आपको यहां पर यह भी बता दें कि भारत ने जो क्रिटिकिटी हासिल की है वो स्थिति है जब रिएक्टर के भीतर परमाणु फजन की प्रक्रिया अपने आप चलने लगती है और स्थिर हो जाती है। यानी अब यह रिएक्टर बिजली पैदा करने के लिए तैयार है। आसान भाषा में समझा जाए तो यह रिएक्टर अपने आप लगातार चलने वाली परमाणु प्रक्रिया को संभाल सकता है। यानी यह सिर्फ ऊर्जा ही नहीं बनाएगा बल्कि जितना ईंधन इस्तेमाल करेगा उससे ज्यादा नया ईंधन भी तैयार कर सकेगा और यही इसकी सबसे बड़ी खासियत है। असल में यह पूरा प्रोजेक्ट भारत की तीन स्टेज वाली परमाणु योजना का अहम हिस्सा है। भारत के पास थोरियम का बड़ा भंडार है लेकिन उसे सीधा इस्तेमाल करना आसान नहीं होता।

सेस निधि से पालघर में कृषि विकास को बढ़ावा, किसानों के लिए अनेक योजनाएं लागू

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर के कृषि विभाग की ओर से सेस निधि के अंतर्गत वर्ष 2026-27 के लिए विभिन्न कृषि योजनाएं लागू की जा रही हैं। किसानों के समग्र विकास के उद्देश्य से व्यापक योजना तैयार की गई है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने किसानों से इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने का आह्वान किया है।

जिला कृषि विकास अधिकारी सोमनाथ पिंजारी ने योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इन योजनाओं में फसल संरक्षण, सिंचाई, कृषि यंत्रीकरण, जैविक खेती, कृषि प्रसंस्करण उद्योग तथा आधुनिक तकनीक जैसे कई महत्वपूर्ण घटकों को शामिल किया गया है। फसल संरक्षण के लिए रासायनिक और जैविक कीटनाशक, फफूंदनाशक तथा खरपतवारनाशक की खरीद पर 50 प्रतिशत अनुदान दिया जायेगा। इसके अलावा लाइट ट्रैप, स्टिकी ट्रैप और फेरोमोन ट्रैप जैसे एकीकृत कीट प्रबंधन उपकरणों पर भी सहायता उपलब्ध होगी। किसानों को विभिन्न प्रकार के स्प्रे पंप खरीदने के लिए भी अनुदान दिया जायेगा। फसलों को जंगली जानवरों से बचाने के लिए सौर ऊर्जा से चलने वाले जैव ध्वनि उपकरण, तार कंपाउंड और स्थानीय साधनों से बाड़बंदी के लिए आर्थिक सहायता दी जायेगी। कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के लिए पल्प मशीन, घास काटने की मशीन, पावर वीडर, रोटावेटर, बीज बोने की मशीन, चेन सॉ और पावर रीपर जैसे कृषि उपकरणों पर 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जायेगा।

सिंचाई सुविधाओं के लिए डीजल और विद्युत पंप, सोलर पंप तथा HDPE/PVC पाइप की खरीद पर भी अनुदान उपलब्ध होगा। विशेष रूप से सोलर पंप पर 75 प्रतिशत तक अनुदान दिया जायेगा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना प्रति बूंद अधिक फसल के तहत भी किसानों को लाभ दिया जायेगा। बीज वितरण योजना के अंतर्गत खरीफ, रबी और गर्मी के मौसम के लिए संकर और सामान्य बीज 50 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराए जायेंगे, जबकि सब्जी मिनीकिट पर 75 प्रतिशत अनुदान दिया जायेगा। इसके अलावा फूलों की खेती (मोगरा, सोनचाफा) और रेशम उद्योग के लिए भी आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जायेगी, जिससे किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। कृषि को पूरक सुविधाओं के तहत नई कुएं का निर्माण, पुराने कुएं की मरम्मत, खेत तालाब का अस्तरीकरण और बायोगैस परियोजनाओं के लिए आर्थिक सहायता दी जायेगी। कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए सोलर ड्रायर जैसे उपकरणों पर 80 प्रतिशत तक अनुदान उपलब्ध कराया गया है। जैविक खेती को प्रोत्साहन देने के लिए जीवामृत, वर्मी कंपोस्ट परियोजना, प्रमाणन खर्च, प्रशिक्षण और अध्ययन दौरे के लिए विशेष प्रावधान किये गये हैं। इसके अलावा बांस की खेती, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, मसाला फसलें, पान की खेती तथा बेल वाली सब्जियों की खेती के लिए भी सहायता दी जायेगी।

आधुनिक कृषि को बढ़ावा देने के लिए प्रिसिजन फार्मिंग, फलों की खेती के लिए आधुनिक उपकरण तथा मधुमक्खी पालन और सब्जी बिक्री के लिए सामग्री उपलब्ध कराने जैसे नवीन उपक्रम भी शामिल किये गये हैं। किसान उत्पादक समूह, स्वयं सहायता समूह और महिला समूहों को विशेष प्रोत्साहन दिया जायेगा।

विशेष रूप से दिव्यांग किसानों को आय की शर्त के बिना 90 प्रतिशत तक अनुदान देने की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिला किसानों को योजनाओं में प्राथमिकता दी जायेगी। सभी योजनाएं डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) प्रणाली के माध्यम से लागू की जायेंगी। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने विश्वास व्यक्त किया कि इन योजनाओं से कृषि अधिक आधुनिक, उत्पादनक्षम और टिकाऊ बनेगी। वहीं जिला कृषि विकास अधिकारी सोमनाथ पिंजारी ने पात्र किसानों से अपील की है कि वे संबंधित पंचायत समिति कार्यालय के कृषि अधिकारी और विस्तार तंत्र से संपर्क कर योजनाओं का लाभ उठायें।

रोबोटिक सर्जरी और रक्षा तकनीक में भारत की बड़ी उपलब्धि

मुंबई। भारत में आयोजित तीसरे ग्लोबल एसएसआई मल्टी-स्पेशियल्टी रोबोटिक सर्जरी कॉन्फ्रेंस 2026 के दौरान अत्याधुनिक चिकित्सा और रक्षा तकनीकों की ऐतिहासिक झलक देखने को मिली। इस अवसर पर एसएस इनोवेशन इंटरनेशनल (स्स्क) ने दो क्रांतिकारी तकनीकों प्रोजेक्ट विमाना और प्रोजेक्ट ऑपिरियन का अनावरण किया जो भविष्य की सर्जिकल और आपातकालीन चिकित्सा प्रणाली को नई दिशा देने वाली मानी जा रही हैं। तीन दिवसीय इस वैश्विक सम्मेलन में दुनिया भर के १,५०० से अधिक डॉक्टरों और २५० से अधिक विशेषज्ञों ने भाग लिया। सम्मेलन में रोबोटिक सर्जरी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, टेली-सर्जरी और मोबाइल ऑपरेटिंग प्लेटफॉर्म जैसी अत्याधुनिक तकनीकों पर चर्चा की गई। इस दौरान एसएसआई मंत्रा-3 और मंत्रासना के माध्यम से १५ लाइव टेली-सर्जरी और १४ लाइव सर्जरी का सफल प्रदर्शन किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर देश-दुनिया के कई प्रतिष्ठित विशेषज्ञ जैसे डॉ. नरेश त्रेहान, डॉ. संगीता रेड्डी, डॉ. फ्रेडरिक मोल, श्री मधुसूदन साई और डॉ. मायलस्वामी अन्नादुरई भी मौजूद रहे। युद्धक्षेत्र में सर्जरी की नई तकनीक प्रोजेक्ट विमानाः सम्मेलन की सबसे बड़ी उपलब्धि प्रोजेक्ट विमाना का अनावरण रहा। यह एक क्रांतिकारी बैटलफील्ड सर्जिकल सिस्टम है जिसे भारी क्षमता वाले स्वायत्त ड्रोन के जरिए युद्धक्षेत्र या आपात स्थिति वाले स्थानों तक पहुंचाया जा सकता है। इस सिस्टम में दो अत्याधुनिक 7-डिग्री फ्रीडम वाले मिनिएचर रोबोटिक आर्म्स लगाए गए हैं, जिनकी मदद से विशेषज्ञ ट्रॉमा सर्जन दूर बैठे हुए गंभीर रूप से घायल सैनिकों का ऑपरेशन कर सकते हैं। यह तकनीक रक्तस्राव नियंत्रण, छाती का डीकंप्रेशन, शरीर में फंसे धातु के टुकड़े निकालने और घाव की मरम्मत जैसे जीवनरक्षक उपचार तुरंत उपलब्ध कराने में सक्षम है।

मोबाइल ऑपरेटिंग रूम का भविष्य प्रोजेक्ट ऑपिरियनः सम्मेलन में प्रोजेक्ट ऑपिरियन भी प्रस्तुत किया गया, जो एक पूरी तरह मोबाइल और प्लेटफॉर्म-एग्नोस्टिक ऑपरेटिंग रूम सिस्टम है। इसे अस्पतालों, दूरदराज के इलाकों और आपदा प्रभावित क्षेत्रों में आसानी से तैनात किया जा सकता है। ओवरहेड-इंटीग्रेटेड रोबोटिक्स और जीरो-फुटप्रिंट आर्किटेक्चर से लैस यह प्रणाली डॉक्टरों को 360 डिग्री एक्सेस, रियल-टाइम कॉन्फिगरेशन और टेली-सर्जरी की सुविधा प्रदान करती है। इससे विशेषज्ञ सर्जन दूर बैठे हुए भी मरीजों का ऑपरेशन कर सकते हैं। एसएसआई काया ह्यूमनॉइड रोबोट का अनावरण- सम्मेलन में एसएसआई काया ह्यूमनॉइड एप्लिकेशन भी पेश किए गए, जो स्वास्थ्य सेवा, रक्षा, लॉजिस्टिक्स, आपदा प्रबंधन और औद्योगिक क्षेत्रों में मानव क्षमताओं को बढ़ाने में मदद करेंगे। यह रोबोट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, टेलीऑपरेशन और रियल-टाइम सेंसरिंग जैसी तकनीकों से लैस हैं और कठिन व जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में कार्य करने में सक्षम हैं। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि भारत धीरे-धीरे वैश्विक मेडटेक और इनोवेशन लीडर के रूप में उभर रहा है।

भिवंडी में मतदाता राजा जागो अभियानः मतदाता सूची सत्यापन के लिए विशेष जनजागरूकता शिविर का आयोजन

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी और कपिल पाटील फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में भिवंडी में मतदाता राजा जागो अभियान के तहत विशेष जनजागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। वार्ड क्रमांक 17 में स्थानीय नगरसेवक सुमित पाटिल के नेतृत्व में ये शिविर संपन्न हुए। मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान के तहत पद्मानगर स्थित मार्कंडेय महामुनी चौक, गणेश टॉकीज, गायत्रीनगर और पटेल कंपाउंड क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को अपनी मतदाता सूची में नाम की जांच करने और आवश्यक सुधार कराने के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में भाजपा शहर अध्यक्ष रवि सावंत, गटनेता संतोष शेट्टी, मंडल अध्यक्ष कोंडा मोहन, अखिल पद्मशाली समाज के अध्यक्ष पोट्टाबत्तिनी रामकृष्ण, कार्याध्यक्ष कोंका मल्लेशम और पूर्व नगरसेवक कल्याडपू बालकिशन सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान कार्यकताओं ने घर-घर जाकर लोगों से अपील की कि वे अपने नाम की मतदाता सूची में पुष्टि करें और यदि

कोई त्रुटि हो तो उसे तत्काल सुधारें। नागरिकों को नाम, पते और अन्य विवरणों की सटीकता सुनिश्चित करने के लिए मार्गदर्शन भी दिया गया। नगरसेवक सुमित पाटिल ने बताया कि भिवंडी पूर्व और पश्चिम क्षेत्र में मतदाता सूची में कई त्रुटियां सामने आई हैं और कुछ स्थानों पर एक ही नाम से कई लोगों द्वारा मतदान करने की शिकायतें मिली हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे फर्जी मतदाताओं की पहचान कर उन्हें सूची से हटाने और वास्तविक मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा करना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। गटनेता संतोष शेट्टी ने जानकारी दी कि भिवंडी विधानसभा क्षेत्र में मतदाता पंजीकरण और संशोधन की प्रक्रिया एक महीने तक जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि पूर्व में अन्य राज्यों या अन्य माध्यमों से हुई कथित अवैध प्रविष्टियों को हटाना इस अभियान का प्रमुख लक्ष्य है। उन्होंने स्पष्ट किया, सिर्फ वास्तविक मतदाता ही सूची में रहेंगे और फर्जी नाम हटाए जाएंगे। मतदाता सूची में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष ऐप भी विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से चार सदस्यीय टीम पूरी प्रक्रिया पर नजर रख रही है। आगामी चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी वातावरण में संपन्न हों, इसके लिए यह पहल महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि यदि उन्हें मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन या किसी अन्य समस्या का सामना करना पड़ रहा हो, तो वे तुरंत अपने स्थानीय नगरसेवक कार्यालय से संपर्क करें।

एआई से बदलेगा पार्किंसंस का इलाज, जसलोक हॉस्पिटल की नई पहल

मुंबई। जसलोक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, मुंबई ने पार्किंसंस रोग में फ्रीजिंग ऑफ गेट (एफओजी) की भविष्यवाणी करने के लिए एक अग्रणी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोजेक्ट शुरू किया है। यह पहल जसलोक हॉस्पिटल के न्यूरोसर्जरी विभाग के डायरेक्टर डॉ. परेश दोशी के नेतृत्व में शुरू की गई है। इस प्रोजेक्ट में पेरिस ब्रेन इंस्टीट्यूट, फ्रांस की वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध फंक्शनल न्यूरोसर्जरी विशेषज्ञ डॉ. कैरिन कराची भी शामिल होंगी। यह प्रोजेक्ट विश्व पार्किंसंस दिवस पर औपचारिक रूप से लॉन्च किया जाएगा। पार्किंसंस रोग दुनिया भर में दूसरी सबसे आम न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारी है और भारत में इसकी व्यापकता तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में शुरूआती और अधिक सटीक हस्तक्षेप के उपकरणों की आवश्यकता और बढ़ गई है। यह प्रोजेक्ट न्यूरोसाइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बीच के इंटरसेक्शन पर स्थित है। इसका मुख्य उद्देश्य फ्रीजिंग ऑफ गेट जोकि पार्किंसंस रोग की सबसे विकलांग करने वाली जटिलताओं में से एक है, के जोखिम की शुरूआती पहचान के लिए एक बड़े पैमाने का और लागत-कुशल डिजिटल टूल विकसित करना है। मरीज अक्सर अचानक चलना शुरू करने या जारी रखने में असमर्थ हो जाते हैं और उन्हें ऐसा लगता है जैसे उनके पैर फर्श से चिपक गए हों। इससे बार-बार गिरने, चोट लगने, आत्मनिर्भरता कम होने और देखभाल करने वाले पर भारी बोझ पड़ता है। उन्नत पार्किंसंस रोग वाले मरीजों में यह समस्या 80% तक प्रभावित करती है। इतनी उच्च व्यापकता और गंभीर प्रभाव के बावजूद, फिलहाल इसकी कोई निश्चित इलाज उपलब्ध नहीं है।

भिवंडी में डिजिटल जनगणना 2027 की तैयारी को लेकर मनपा ने 28 लोगों को प्रशिक्षण देकर शहर में किया तैनात

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा क्षेत्र में भारतीय जनगणना 2027 की प्रक्रिया की शुरूआत हो चुकी है। इस बार देश के इतिहास में पहली बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जाएगी, जिसके लिए मनपा प्रशासन पूरी तरह तैयार है। आयुक्त एवं प्रधान जनगणना अधिकारी अनमोल सागर (आईएएस) तथा अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके के मार्गदर्शन में इस अभियान की सूक्ष्म योजना तैयार की गई है। पूर्व तैयारी के तहत 6 अप्रैल से 8 अप्रैल 2026 तक मनपा की नई प्रशासनिक इमारत में 28 फील्ड ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में उपायुक्त एवं शहर जनगणना अधिकारी विक्रम दराडे,

सहायक आयुक्त नितीन पाटिल, जनगणना विभाग प्रमुख माणिक जाधव और समन्वय अधिकारी सुभाष पार्टे उपस्थित रहे। मास्टर ट्रेनर्स अजय ठाकुर (सहायक संचालक, जनगणना) और प्रो. अजित भोईर ने डिजिटल जनगणना की पूरी प्रक्रिया की चरणबद्ध जानकारी दी। प्रशिक्षण में खासतौर पर जनगणना 2027 के पहले चरण घर सूचीकरण और घर गणना पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस बार कागजी फॉर्म के बजाय पोर्टल और HLBC ऐप के माध्यम से डेटा संकलन किया जाएगा। सभी फील्ड ट्रेनर्स को तकनीकी जानकारी, जनगणना कानून और डेटा संग्रहण प्रक्रिया का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया। ये 28 प्रशिक्षित ट्रेनर्स 27 अप्रैल से 8 मई 2026 के बीच करीब 1650 प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण देंगे। यह प्रशिक्षण महानगरपालिका के पांच चार्ज क्षेत्रों में आयोजित किया जाएगा। इस जनगणना की खास बात यह है कि नागरिकों के लिए पहली बार सेल्फ एन्यूमरेशन यानी स्व-गणना की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

नागरिक 1 मई से 15 मई 2026 के बीच सरकारी वेब पोर्टल पर लॉगिन कर अपनी जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं। इसके बाद 16 मई से 14 जून 2026 के बीच क्षेत्रीय स्तर पर घर सूचीकरण और घर गणना का पहला चरण चलाया जाएगा। प्रशासन ने नागरिकों से इस डिजिटल प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की है।

स्कूली छात्रों के स्वास्थ्य के लिए 'चाइल्ड हेल्प फाउंडेशन' की पहल

मुंबई (उत्तरशक्ति)। स्कूली छात्रों के स्वास्थ्य और सामुदायिक स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए 'चाइल्ड हेल्प फाउंडेशन' ने मुंबई के अंधेरी पूर्व क्षेत्र में एक महत्वाकांक्षी परियोजना को साकार किया है। सतत विकास के तहत शुद्ध पेयजल, स्वच्छता और मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रबंधन पर केंद्रित इस परियोजना का हाल ही में उद्घाटन किया गया।

इस अभियान के तहत साकीनाका स्थित उर्दू स्कूल नंबर २ और चांदीवली स्थित बीएमसी स्कूल में दो-दो वॉटर फिल्टर के साथ कूलर लगाए गए हैं, जिससे लगभग १,५०० छात्रों को पीने का स्वच्छ पानी उपलब्ध होगा। विशेष रूप से, किशोर लड़कियों के लिए सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और इंसीनरेटर की सुविधा प्रदान करते

हुए मासिक धर्म स्वच्छता पर जागरूकता सत्र भी आयोजित किए गए। साथ ही, नागरदास रोड स्थित सबसे व्यस्त सार्वजनिक शौचालय का नवीनीकरण किया गया है, जिससे क्षेत्र के लगभग ५,००० निवासियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इस अवसर पर कंपनी निदेशक कार्तिकेयन ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा, ₹मेरे माता-पिता शिक्षक होने के नाते, इस स्कूल में आकर मुझे अपने बचपन की याद आ गई और मुझे इस तरह के उपक्रम का हिस्सा बनने पर बहुत गर्व है। कार्यक्रम के अवसर पर फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक जिजी जॉन ने 'जीवादान' कंपनी के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ₹स्वच्छ पानी और सम्मानजनक स्वच्छता बच्चों के स्वास्थ्य के लिए एक बुनियादी जरूरत है। इस पहल के माध्यम से हम बच्चों के लिए एक सुरक्षित और स्वस्थ शैक्षिक वातावरण बनाने का प्रयास कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में डॉ. सुनील पांडे, ऋतुपर्णा बसु, मोना फर्नांडिस के साथ स्कूलों के प्रधानाध्यापक और छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

स्ट्रोक के मरीजों को डिस्चार्ज के बाद भी मिले बीमा कवर, पॉलिसी में बदलाव की जरूरत पर विशेष जोर

मुंबई (उत्तरशक्ति)। देश में स्ट्रोक के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हालांकि आधुनिक इलाज स्ट्रोक और ब्रेन इंजरी के बाद मरीजों की जान बचाने में कामयाब हो रहे हैं, फिर भी मरीजों के लिए रिहैबिलिटेशन सर्विस ज्यादातर इंश्योरेंस प्लान में शामिल नहीं हैं। इस वजह से, मरीजों और उनके परिवारों को शारीरिक, मानसिक और फाइनेंशियल, तीनों तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। वहीं जाने माने एक्सपर्ट डॉक्टरों का कहना है कि असली लड़ाई हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होने के बाद ही शुरू होती है। लंबे समय तक चलने वाले रिहैबिलिटेशन इलाज, थेरेपी, मरीज की मदद के लिए खास सर्विस और बार-बार हॉस्पिटल जाने का खर्च बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। बीमा कवर न होने की वजह से कई परिवारों को फाइनेंशियल मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। इसी उद्देश्य से, मुंबई में 9 से 12 अप्रैल २०२६ तक IFNRCON और दूसरा इंटरनेशनल टेली-न्यूरो रिहैबिलिटेशन कॉन्फ्रेंस मुंबई के पवई स्थित वेस्टिन होटल में (ऑर्गनाइज किया गया है। इस कॉन्फ्रेंस में देश-विदेश के न्यूरोलॉजिस्ट, रिहैबिलिटेशन एक्सपर्ट और रिसर्चर शामिल हुए।

इस बारे में, इंडियन फेडरेशन ऑफ न्यूरोरिहैबिलिटेशन के प्रेसिडेंट डॉ. निर्मल सूर्या ने कहा कि भारत में हर साल लगभग 12.5 लाख नए स्ट्रोक के मामले सामने आते हैं। 1990 से इसमें 51 परसेंट की बढ़ोतरी हुई है और दुनिया के कुल स्ट्रोक के मामलों में से 10 परसेंट अकेले हमारे देश में रिपोर्ट हो रहे हैं। स्ट्रोक देश में मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण और विकलांगता का तीसरा सबसे बड़ा कारण बन गया है। इलाज के बाद रिहैबिलिटेशन की जरूरत वाले हर चार में से एक मरीज को कोई थेरेपी नहीं मिलती, जबकि सिर्फ.17 परसेंट मरीजों को स्पेशलिस्ट की देखरेख में इलाज मिलता है। देश के सिर्फ.20% सेंटर्स के पास एडवांस्ड टेक्नोलॉजी है, जबकि लगभग 70% आबादी ग्रामीण इलाकों में रहती है जहाँ ऐसी सेवाओं की कमी है। वह आगे कहते हैं कि स्ट्रोक के बाद रिकवरी हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होने के बाद खत्म नहीं होती। मरीजों को चलने-फिरने, बोलने और आजादी वापस पाने के लिए लंबे समय तक चलने वाले और स्ट्रक्चर्ड रिहैबिलिटेशन की जरूरत होती है। मुंबई के कोकिलाबेन हॉस्पिटल में न्यूरोरिहैबिलिटेशन स्पेशलिस्ट और IFNR के ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव ने कहा, ₹स्ट्रोक अब सिर्फ. एक आपातकालीन स्थिति नहीं है, बल्कि एक पुरानी बीमारी है जिसके लिए खास देखभाल की जरूरत होती है। स्ट्रोक के बाद रिहैबिलिटेशन का खर्च और कम उपलब्धता अभी भी लोगों को इलाज के बाद रिहैबिलिटेशन प्रोसेस को आगे बढ़ाने से रोकती है।

ज्ञानमंदिर हाईस्कूल के विद्यार्थियों की सागरी सेतु पर प्रेरणादायक शैक्षणिक यात्रा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। घाटकोपर पूर्व के नालंदा नगर ज्ञानमंदिर हाईस्कूल के विद्यार्थियों के लिए गुरुवार, दिनांक ९ अप्रैल का दिन सचमुच अविस्मरणीय रहा। बृहन्मुंबई महानगरपालिका द्वारा संचालित छत्रपति संभाजी महाराज सागरी सेतु जैसे महत्त्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का प्रत्यक्ष शैक्षणिक भ्रमण करने का सुनहरा अवसर विद्यार्थियों को प्राप्त हुआ।

इस दौरान विद्यार्थियों को परियोजना की शुरूआत से लेकर अब तक की पूरी प्रगति, निर्माण प्रक्रिया तथा उससे जुड़ी तकनीकी जानकारियाँ परियोजना से जुड़े इंजीनियरों की टीम द्वारा विस्तार से दी गई। इंजि. विजय सर ने अत्यंत सरल

और प्रेरणादायक तरीके से मार्गदर्शन करते हुए इस प्रोजेक्ट के पीछे निहित देशभक्ति, योजनाबद्धता, निर्णय क्षमता, जिम्मेदारी और क्रिटिकल थिंकिंग जैसे मूल्यों का महत्व विद्यार्थियों को समझाया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने प्रोजेक्ट की कंट्रोल रूम का भी दौरा किया, जहाँ उन्होंने कार्यप्रणाली, तकनीकी व्यवस्था और प्रबंधन प्रणाली को करीब से देखा और समझा। इस अनुभव से विद्यार्थियों के ज्ञान में वृद्धि हुई और उन्हें इंजीनियरिंग क्षेत्र के प्रति नई प्रेरणा भी मिली। यह बहुमूल्य अवसर उपलब्ध कराने के लिए संस्थापक इंजि. अनिल झोरे के प्रति विद्यालय की ओर से हार्दिक आभार व्यक्त किया गया।

केसीएन क्लब द्वारा 13 अप्रैल को बोईसर में नि :शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन नोइंग सिटीजन्स नीड क्लब (केसीएन क्लब) के 37वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में देशभर में विभिन्न सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में महाराष्ट्र कमेटी की ओर से सोमवार 13 अप्रैल 2026 को गरीब, मजदूर एवं वंचित परिवारों के स्वास्थ्य लाभ के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

यह चिकित्सा शिविर पालघर जिले के बोईसर शहर पश्चिम के गणेश नगर, साईलोक नगर में स्थित शिव गणेश मंदिर के मंदिर परिसर में आयोजित होगा। शिविर का समय सुबह 10:30 बजे से अपराह्न 3:30 बजे तक निर्धारित किया गया है। आयोजन समिति ने केसीएन क्लब के महाराष्ट्र प्रदेश कमेटी, कोंकण मंडल तथा पालघर जिला कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों एवं सामाजिक

कार्यकताओं से कार्यक्रम में उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की गई है। इस शिविर की प्रोजेक्ट इंचार्ज नीता श्रीधर राऊत हैं, जबकि गौरीशंकर गोस्वामी, अरविंद द्विवेदी व धनंजय गुप्ता सहयोगी के रूप में कार्य करेंगे। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी जिलेदार वर्मा तथा शिक्षाविद अनिल चौधरी अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस शिविर को सफल बनाने हेतु विक्रम शुक्ला, चंदन झा, गंगाधर जागुष्टे, वरुण मिश्र, राकेश शर्मा, माधुरी भालेराव, वाई.के. शर्मा, विनोद तिवारी, बैजनाथ महतो, रविंद्र पाल, कृष्णा मैडम, यजुवेंद्र सावे, रोहित सिंह, संजय यादव, महेश यादव, सुनील पाटील, संगीता जायसवाल, कुंदन सिंह व मुन्ना झा सहित कई पदाधिकारी आयोजन में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी (महाराष्ट्र) देवेंद्र मेश्राम तथा प्रवक्ता मनोज मिश्र ने बताया कि शिविर का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक लोग केसीएन क्लब के हेल्पलाइन नंबर 9022265159 पर संपर्क कर सकते हैं।

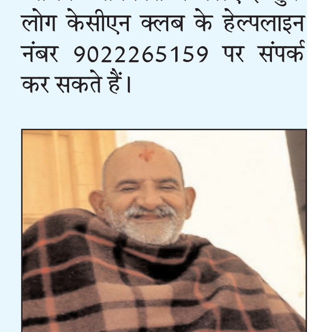

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

शाहगंज पुलिस को मिली बड़ी सफलता, 4 चोरी की मोटरसाइकिल के साथ शातिर चोर गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के शाहगंज थाना क्षेत्र में पुलिस ने चोरी की घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना शाहगंज पुलिस टीम ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की 4 मोटरसाइकिल बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार, 3 अप्रैल 2026 को ग्राम सबरहद निवासी नौशाद अहमद की मोटरसाइकिल बहुरानी मैरिज हॉल के पास से चोरी हो गई थी। इस संबंध में थाना शाहगंज में मामला दर्ज किया गया था।

मामले के खुलासे के लिए सक्रिय पुलिस टीम ने 10 अप्रैल की सुबह करीब 6 बजे बड़ागांव बाजार क्षेत्र से एक संदिग्ध युवक को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम सोनू पुत्र लालता प्रसाद, निवासी बड़ागांव, थाना शाहगंज बताया। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने मोटरसाइकिल चोरी की घटना स्वीकार कर ली।

अभियुक्त की निशानदेही पर पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से कुल 4 चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की, जिनमें हीरो एचएफ डीलक्स, बजाज प्लेटिना और टीवीएस स्पोर्ट जैसी गाड़ियां शामिल हैं। आरोपी ने बताया कि वह भीड़भाड़ वाले इलाकों और समारोहों में मौका पाकर मोटरसाइकिल चोरी कर उन्हें बेच देता था।

पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय भेज दिया है। इस सफलता में प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह व उपनिरीक्षक ओमप्रकाश पांडेय सहित पुलिस टीम की अहम भूमिका रही।पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगने की उम्मीद जताई जा रही है।

बरामदगी का विवरण- मोटरसाइकिल रजिस्ट्रेशन नंबर UP 65 BX 3526 HF DELUX चे.नं. MBLHA11ALE9M03168। रंग काली के मोटरसाइकिल जिस पर रजिस्ट्रेशन नंबर UP 44 AS 8406 का प्लेट लगा जिसका Ch No. MBL-HAR072JHE31916 है। गाड़ी बजाज प्लैटिना रंग काली रजिस्ट्रेशन नंबर UP 44 AK 7393 CH. NO. MD2A18AZ1EPG31879 है। मोटर साइकिल TVS Sport ब्लैक रेड पट्टी बिना नम्बर प्लेट चे.नं. MD625PF57J3N91569।

सामाजिक न्याय का शासन कायम करेगी समाजवादी पार्टीः मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। देश में बढ़ती सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक असमानताओं को लेकर समाजवादी पार्टी ने सामाजिक न्याय के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया है। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि वर्तमान समय में एक व्यापक सामाजिक न्याय आंदोलन की आवश्यकता है, जिससे वंचित वर्गों को उनका अधिकार और सम्मान मिल सके।

उन्होंने कहा कि देश की बड़ी आबादी आज भी हाशिए पर है और उन्हें उनकी संख्या के अनुपात में भागीदारी नहीं मिल रही है, जो लोकतंत्र की मूल भावना के विपरीत है। मोहम्मद अरशद खान ने आरक्षण व्यवस्था को मजबूत करने, शिक्षा और रोजगार में समान अवसर देने तथा समाज में व्याप्त भेदभाव को समाप्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने महिलाओं और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा, सम्मान और समान अवसर सुनिश्चित करने की भी मांग की।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी अखिलेश यादव के नेतृत्व में सामाजिक न्याय आधारित व्यवस्था स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अपने बयान के अंत में कहा कि जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक संघर्ष जारी रहेगा।

जौनपुर-लखनऊ हाईवे पर भीषण हादसा, छात्र गंभीर घायल

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-731) पर शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसे ने हड़कंप मचा दिया। बक्सा थाना क्षेत्र के कुलहनमऊ स्थित हरिहर पब्लिक स्कूल के पास रोडवेज बस, ट्रक और स्कूटी की जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें स्कूटी सवार एक छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, वाराणसी से जौनपुर की ओर आ रही रोडवेज बस (यूपी70 एफटी 0448) ने आगे चल रहे ट्रक (बीआर28 जीबी 7515) को ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान बस अनियंत्रित होकर ट्रक से टकरा गई। टक्कर के बाद तेज रफ्तार बस सामने से आ रही इलेक्ट्रिक स्कूटी को भी अपनी चपेट में ले लिया। हादसा इतना भयावह था कि स्कूटी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

घायल छात्र की पहचान बैसपार निवासी शिवम यादव के रूप में हुई है, जो टीडी कॉलेज में बीए प्रथम वर्ष का छात्र है। बताया जा रहा है कि शिवम घटना के समय परीक्षा देने जा रहा था। उसके भाई रामशंकर यादव के अनुसार, शिवम घर से परीक्षा के लिए निकला था, तभी कुलहनमऊ तिराहे के पास यह हादसा हो गया।

दुर्घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल छात्र को तुरंत पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

हादसे के बाद रोडवेज बस और ट्रक के चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची बक्सा थाना पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर सड़क से हटवाया और यातायात सुचारू कराया।

हल्का प्रभारी राम मिलन तिवारी ने बताया कि बस के नंबर के आधार पर चालक की पहचान की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आरोपित की जमानत अर्जी खारिज

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में चाकलेट देने का लालच देकर अपने घर बुलाकर नाबालिग लड़की से दुष्कर्म करने और उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में आरोपित को राहत नहीं मिली। विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) अजय कुमार की अदालत ने बीएलडब्ल्यू, चितईपुर निवासी आरोपित मल्लू यादव उर्फ विनोद यादव की जमानत अर्जी मामले की गंभीरता को देखते हुए खारिज कर दी। अदालत में वादी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अनुज यादव, अभिषेक श्रीवास्तव पंकज, नरेश यादव व संदीप यादव ने जमानत अर्जी का विरोध किया।

अभियोजन पक्ष के अनुसार वादी मुकदमा ने दशाश्वमेध थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप था कि वह अपने निजी कार्य से 07 जनवरी 2026 को घर से बाहर गया था। उसी समय मेरी 13 वर्षीय छोटी बहन घर पर अकेले थी, जिसे पड़ोस में रहने वाला मल्लू यादव द्वारा मेरे घर में घुसकर मेरी बहन को बहला-फुसलाकर व चाकलेट देने के बहाने अपने घर ले गया। जहाँ उसके साथ उसके इच्छा के खिलाफ बलपूर्वक बलात्कार किया और उसका वीडियो भी बनाया। साथ ही उससे बोला कि किसी से कहा तो मैं इस वीडियो को वायरल कर दूँगा और तुम्हारी हत्या कर दूँगा, जिससे वह काफी डर गयी थी। इस बीच 14 जनवरी 2026 को सोशल मीडिया में उसकी बहन का वीडियो वायरल करते हुए वीडियो वायरल किया गया था, जिसे उसने देखा तो घर जाकर अपने बहन को वीडियो दिखाकर पूछा तो मेरी बहन रोते हुए मुझसे बतायी कि मल्लू यादव 07 जनवरी 2026 को मुझे बहला-फुसलाकर व चाकलेट के बहाने अपने घर ले गया। जहां मेरे साथ गलत काम किया, जिसका वीडियो भी बनाया था और बोला कि अगर तुमने किसी से कहा तो मैं सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर दूँगा और तुम्हारी हत्या कर दूँगा, जिससे मै डर गयी थी और वीडियो दिखने पर सारी बात बताई। इस मामले में पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल करवाने के बाद आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया था।

यूपी में गेहूं खरीद पर संकट, बोरे की कमी से प्रभावित हो रही व्यवस्था

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश में सरकारी गेहूं खरीद व्यवस्था इन दिनों गंभीर संकट का सामना कर रही है। खरीद प्रक्रिया ने जैसे ही गति पकड़ी, बोरे की उपलब्धता बड़ी बाधा बनकर सामने आ गई है, जिससे कई जिलों में खरीद कार्य प्रभावित हो रहा है।

प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्थित खरीद केंद्रों पर किसानों की भारी भीड़ उमड़ रही है, लेकिन बोरे की कमी के कारण उनकी फसल की खरीद समय पर नहीं हो पा रही। वर्तमान में हालात ऐसे हैं कि गेहूं खरीद पीडीएस (सार्वजनिक वितरण प्रणाली) के खाली बोरो के सहारे संचालित की जा रही है।

जिला स्तर पर अधिकारी कोटेदारों से बोरे इकट्ठा करने में जुटे हैं और इस प्रक्रिया में उन्हें काफी

कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, किसान खरीद केंद्रों और अधिकारियों के बीच चक्कर लगाने को मजबूर हैं।

सूत्रों के मुताबिक, नए पीपी बैग की खरीद का मामला अभी अधर में लटका हुआ है। पुरानी दरों पर बोरी सप्लाई करने से फर्मों ने इनकार कर दिया है, जिसके चलते समस्या और गहराती जा रही है।

प्रदेश स्तर पर अधिकारी कागजी औपचारिकताओं में लगे हैं, जबकि जमीनी स्तर पर स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। बोरे की कमी को लेकर अब तक कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया है, जिससे किसानों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि आखिर कब तक पीडीएस के बोरो के सहारे खरीद व्यवस्था चलती रहेगी और किसानों को इस समस्या से राहत कब मिलेगी।

मऊ में दर्दनाक सड़क हादसा, बाइक सवार तीन युवकों की मौत

मऊ (उत्तरशक्ति)। जनपद के घोसी कोतवाली क्षेत्र के जामडीह के पास शुक्रवार को हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार तीन युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई और मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। बताया जा रहा है कि तीनों युवक बाइक से कहीं जा रहे थे, तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

सूचना मिलते ही घोसी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस हादसे के कारणों की जांच में जुट गई है और टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश की जा रही है। घटना की खबर मिलते ही मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया है। पुलिस ने जल्द ही मामले का खुलासा करने का आश्वासन दिया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा का इस्तीफा, नोट जलने के मामले में जांच जारी

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा ने अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को सौंप दिया है। उनका यह कदम उस विवाद के बाद सामने आया है, जिसमें दिल्ली स्थित उनके सरकारी आवास के एक स्टोर रूम से जलते हुए नोट मिलने का मामला चर्चा में आया था। बताया जा रहा है कि यह घटना उस समय की है जब जस्टिस वर्मा सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश के रूप में कार्यरत थे।

मामले के उजागर होने के बाद उनके खिलाफ जांच शुरू की गई, जो अभी भी जारी है। विवाद बढ़ने के बाद जस्टिस यशवंत वर्मा का तबादला दिल्ली से इलाहाबाद हाईकोर्ट कर दिया गया था। अब उनके इस्तीफे के बाद न्यायिक हलकों में इस पूरे मामले को लेकर चचाएं तेज हो गई हैं। फिलहाल जांच एजेंसियां पूरे प्रकरण की गहराई से पड़ताल कर रही हैं और आगे की कार्रवाई जांच रिपोर्ट के आधार पर तय की जाएगी।

खुले नाले बने जानलेवा, हादसों से लोगों में आक्रोश

सुशील कुमार गुप्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के विभिन्न इलाकों में खुले नाले अब लोगों के लिए गंभीर खतरा बनते जा रहे हैं। लगातार हो रहे हादसों में बच्चों, मजदूरों और आम नागरिकों की जान जाने की घटनाओं ने प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। शास्त्री नगर कालीकुत्ती क्षेत्र से सामने आई स्थिति ने नगर पालिका की लापरवाही को उजागर कर दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नालों पर ढक्कन नहीं लगाए गए हैं और उनकी नियमित सफाई भी नहीं हो रही, जिससे यह समस्या और गंभीर हो गई है। खासतौर पर रात के समय और बारिश के मौसम में खुले नाले जानलेवा साबित हो रहे हैं। अंधेरे और जलभराव के कारण लोग नाले का अंदाजा नहीं लगा पाते और हादसों का शिकार हो जाते हैं।

घटनाओं को लेकर नागरिकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। लोगों का कहना है कि 'जनता त्रस्त है और जिम्मेदार मस्त हैं।' हालांकि, हादसों की सूचना मिलने पर पुलिस द्वारा गश्त बढ़ाई जा रही है, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में अभी तक ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि खुले नालों को तत्काल ढकवाया जाए और सुरक्षा के उचित इंतजाम किए जाएं, ताकि आगे किसी भी तरह की जनहानि को रोका जा सके।

फर्जी डॉक्टर की डीएनसी ऑपरेशन में लापरवाही से महिला की हालत गंभीर, आरोपी गिरफ्तार

मो.इमरान फारुक

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद के अतरौलिया थाना क्षेत्र में फर्जी चिकित्सक बनकर मरीजों का इलाज करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अवैध रूप से नर्सिंग होम संचालित कर लोगों के जीवन से खिलवाड़ कर रहा था। पुलिस के मुताबिक, न्यायालय के आदेश पर दर्ज मुकदमे की जांच के दौरान खुलासा हुआ कि कुछ लोग खुद को मान्यता प्राप्त डॉक्टर बताकर अवैध रूप से इलाज कर रहे थे। इसी दौरान एक महिला का डीएनसी ऑपरेशन करते समय गंभीर लापरवाही बरती गई, जिससे उसकी आंत को भारी नुकसान पहुंचा और उसकी हालत गंभीर हो गई। जांच में सामने आया कि आरोपी फर्जी चिकित्सकीय डिग्री के सहारे इलाज कर रहा था। मामले में थाना अतरौलिया पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। शुक्रवार सुबह करीब 8:30 बजे पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर पीजीआई तिराहा से आरोपी मुकेश यादव (37), निवासी बसहिया को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी के दौरान सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया गया और आरोपी को न्यायालय भेजा जा रहा है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है और अवैध चिकित्सा गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखने की बात कही है।

संजय खन्ना बने BPCL के नए अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (C&MD), वाराणसी का बढ़ाया गौरव

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में 10 अप्रैल वाराणसी के लिए गर्व का क्षण है कि शहर के प्रतिभाशाली शख्सियत संजय खन्ना की भारत की अग्रणी महारत्न सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL) का अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (Chairman & Managing Director) नियुक्त किया गया है। कंपनी के इस निर्णय को ऊर्जा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। संजय खन्ना ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा वाराणसी के बेसेंट थियोसोफिकल स्कूल से प्राप्त की तथा आगे की पढ़ाई राजकीय क्वींस इंटर कॉलेज से पूरी की। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुचिरापल्ली से केमिकल इंजीनियरिंग में स्नातक और मुंबई विश्वविद्यालय से फाइनेंस मैनेजमेंट में स्नातकोत्तर डिग्री हासिल की।

साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर उन्होंने अपनी मेहनत और लगन के बल पर देश के शीर्ष सार्वजनिक उपक्रम में सर्वोच्च पद हासिल किया, जो युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। BPCL में तीन दशकों के सुदीर्घ और समृद्ध अनुभव के दौरान, उन्होंने कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का सफल नेतृत्व किया है। उनकी दूरदर्शी सोच और प्रभावी नेतृत्व ने कंपनी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी नियुक्ति से न केवल BPCL बल्कि पूरे वाराणसी शहर में खुशी और गर्व का माहौल है। ऊर्जा क्षेत्र के जानकारों का मानना है कि उनके नेतृत्व में भारत पेट्रोलियम आने वाले समय में और भी नई उपलब्धियां हासिल करने के साथ इस क्षेत्र में देश को मजबूत बनाने में अहम योगदान देगा।

आरटीसी स्पोर्ट्स मीट 2026 का भव्य समापन, विजेताओं को किया गया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस लाइन में आयोजित आरटीसी स्पोर्ट्स मीट 2026 का गुरुवार को भव्य समापन हो गया। पांच दिवसीय इस खेल प्रतियोगिता में रिक्रूट आरक्षियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

समापन समारोह में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुंवर अनुपम सिंह ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कार वितरित किए। उन्होंने कहा कि खेल प्रतियोगिताएं न केवल शारीरिक दक्षता बढ़ाती हैं, बल्कि टीम भावना और अनुशासन का भी विकास करती हैं, जो पुलिस सेवा के लिए बेहद आवश्यक हैं।

यह स्पोर्ट्स मीट 5 अप्रैल से 9 अप्रैल तक आयोजित की गई, जिसमें वॉलीबॉल, रस्साकशी, रिले रेस, 100 मीटर व 400 मीटर दौड़ और बैडमिंटन जैसी प्रतियोगिताएं शामिल रहीं।

प्रतियोगिता के प्रमुख परिणाम- वॉलीबॉल में टोली संख्या 21 विजेता और टोली संख्या 04 उपविजेता रही। रस्साकशी में टोली 16 ने बाजी मारी, जबकि टोली 17 उपविजेता रही। रिले रेस (4.100 मीटर) में टोली 02 विजेता और टोली 14 उपविजेता रही। 100 मीटर दौड़ में टोली 09 ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि 400 मीटर दौड़ में टोली 23 विजेता रही। बैडमिंटन में टोली संख्या 05 ने जीत हासिल की।

इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह, सहायक पुलिस अधीक्षक सृष्टि जैन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी, निर्णायकगण एवं बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे। पूरे आयोजन के दौरान पुलिस लाइन परिसर खेल भावना, उत्साह और उमंग से सराबोर रहा।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के तहत अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। इस दौरान विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम के अंतर्गत अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 6 जनवरी से 6 मार्च 2026 तक दावा एवं आपत्ति अवधि के दौरान नागरिकों से आवेदन प्राप्त किए गए, जबकि 6 जनवरी से 27 मार्च तक सुनवाई की प्रक्रिया पूरी की गई। इस दौरान कुल 8,52,715 नोटिस जारी किए गए, जिनमें से 8,40,821 मतदाता सुनवाई में उपस्थित हुए। अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची के अनुसार जनपद में कुल 32,18,897 मतदाता हैं। इनमें 17,32,222 पुरुष, 14,86,556 महिला एवं 119 तृतीय लिंग के मतदाता शामिल हैं।

विधानसभा वार मतदाताओं की संख्या इस प्रकार है- बदलापुर- 3,30,446, शाहगंज- 3,81,806, जौनपुर- 4,01,871, मल्हनी- 3,41,284, मुंगराबादशाहपुर- 3,49,094, मछलीशहर- 3,65,941, मड़ियाहूं- 3,13,529, जाफराबाद- 3,50,740, केराकत- 3,84,186।

जिलाधिकारी ने बताया कि पूरे पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान पारदर्शिता और सभी की सहभागिता सुनिश्चित की गई। राजनीतिक दलों के साथ नियमित बैठकें कर उन्हें नवीनतम दिशा-निर्देशों और प्रगति से अवगत कराया गया तथा उनके सुझाव भी लिए गए।

बैठक के अंत में सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को अंतिम मतदाता सूची की प्रतियां वितरित की गईं। प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन के कार्यों की सराहना करते हुए सहयोग और समन्वय के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

निजी स्कूलों की मनमानी फीस पर रोक की मांग, राष्ट्रवादी नौजवान सभा ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

निजी स्कूलों द्वारा मनमानी फीस वसूली और जबरन शैक्षणिक सामग्री खरीदवाने के विरोध में ज्ञापन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बढ़ती महंगाई के बीच निजी स्कूलों द्वारा मनमानी फीस वसूली और जबरन शैक्षणिक सामग्री खरीदवाने के विरोध में राष्ट्रवादी नौजवान सभा के जिलाध्यक्ष रतनदीप शर्मा साजन के नेतृत्व में शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा गया। संगठन ने अभिभावकों व छात्रों पर पड़ रहे आर्थिक बोझ को कम करने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान समय में महंगाई लगातार बढ़ रही है, जिससे आम जनमानस का जीवन प्रभावित हो रहा है। ऐसे में निजी स्कूल-कॉलेजों द्वारा मनमानी फीस वसूली से अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। आरोप लगाया गया कि कई निजी विद्यालय अपने निर्धारित प्रतिष्ठानों से ही किताबें, ड्रेस, जूते, बैग व अन्य शैक्षणिक सामग्री खरीदने के लिए अभिभावकों को बाध्य करते हैं, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ जाती है। विरोध करने पर अभिभावकों और छात्रों को मानसिक रूप से परेशान किए जाने की भी बात कही गई है।

संगठन ने सरकार से मांग की कि प्रदेश में एक जन-जागरूकता अभियान चलाकर इस तरह की गतिविधियों पर रोक लगाई जाए और सरकारी विद्यालयों की स्थिति को बेहतर बनाया जाए, ताकि अधिक से अधिक छात्र वहां आकर्षित हों।

मुख्य मांगों में- सभी विद्यालयों में एनसीईआरटी की पुस्तकें निःशुल्क उपलब्ध कराने, निजी स्कूलों द्वारा जबरन किताबें व सामग्री खरीदवाने पर रोक लगाने, मनमानी फीस वसूली पर सख्त कार्रवाई करना शामिल हैं। इसके अलावा ड्रेस, जूते आदि के लिए विद्यालयों द्वारा दबाव न बनाने, एनसीईआरटी पुस्तकों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने, ट्रांसपोर्ट फीस की मनमानी वसूली पर नियंत्रण करने की मांग की। साथ ही प्रवेश शुल्क को एक बार तक सीमित करने पर जोर दिया गया। मौके पर प्रमोद कुमार, प्रशांत कुमार भारती, नितेश कुमार, मोहित प्रजापति, अब्दुल्ला तिवारी, सोनू मौर्य, अपूर्व कुमार, संजय सिंह, अनूप रंजन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

असम के मुख्यमंत्री का पुतला फूंककर कांग्रेस कार्यकताओं का प्रदर्शन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर में कांग्रेस कार्यकताओं ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सर्मा के

खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। आरोप है कि चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और प्रवक्ता पवन खेड़ के खिलाफ अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री का पुतला दहन कर नारेबाजी की और उनके चुनाव को रद्द करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने चुनाव आयोग से कार्रवाई करते हुए उन्हें आजीवन चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित करने की भी मांग उठाई।

सभा को संबोधित करते हुए डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में असम में भ्रष्टाचार चरम पर है। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार उजागर होने के बाद मुख्यमंत्री ने विपक्षी नेताओं के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया।

वहीं शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान ने भाजपा सरकार पर सत्ता के दुरुपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्षी नेताओं के खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग लोकतांत्रिक मयार्दाओं के खिलाफ है। उन्होंने मुख्यमंत्री और उनके परिवार के खिलाफ ईडी और सीबीआई जांच की मांग करते हुए तत्काल गिरफ्तारी की भी मांग की।

मुख्य बिंदुः कांग्रेस कार्यकताओं ने किया पुतला दहन, चुनाव रद्द करने और प्रतिबंध लगाने की मांग, मुख्यमंत्री पर भ्रष्टाचार और आचार संहिता उल्लंघन के आरोप, ईडी और सीबीआई जांच की उठी मांग।

प्रदर्शन के दौरान कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

संकटमोचन संगीत समारोह में अनूप जलोटा की भजनों से भक्त हुए मंत्रमुग्ध

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। संकटमोचन मंदिर में आयोजित प्रतिष्ठित संगीत समारोह के दौरान भजन सम्राट अनूप जलोटा ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से हनुमान भक्तों को भाव-विभोर कर दिया। शयन आरती के तुरंत बाद मंच पर पहुंचे जलोटा ने ऐसी लागी लगन भजन से कार्यक्रम की शुरूआत की, जिसने श्रोताओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। प्रस्तुति के दौरान उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि ये जो सांस है, ये बाबा रामदेव के प्राणायाम का कमाल है, जिस पर दर्शकों ने ठहाके लगाकर उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे कौन कहता है कि भगवान आते नहीं अच्युतम केशवम दामोदरम जैसे प्रसिद्ध भजनों की श्रृंखला प्रस्तुत कर माहौल को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में काशी बदली, अयोध्या बदली अब मथुरा की बारी है जैसे गीतों ने भी श्रोताओं में जोश भर दिया। आगे उन्होंने दुनिया चले ना राम के बिना, इतनी शक्ति हमें देना दाता, जय बजरंग बली और हरी बोल हरि बोल जैसे भजनों से भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर नाचते-गाते नजर आए। इस दौरान हिमांशु के वायलिन संगत पर अनूप जलोटा की सरगम ने समां बांध दिया, जिस पर दर्शकों ने जमकर तालियां बजाईं। संपूर्ण कार्यक्रम के दौरान संकटमोचन मंदिर परिसर भक्ति और संगीत के अद्भुत संगम का साक्षी बना रहा।

पीएम सूर्य घर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर बैंक अधिकारियों की बैठक संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री सोलर योजना के सफल क्रियान्वयन के उद्देश्य से आज 10 अप्रैल 2026 को यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, जौनपुर नॉर्थ के सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाडिया ने की। इस अवसर पर यूनियन बैंक जौनपुर नॉर्थ के क्षेत्र प्रमुख संतोष कुमार, जौनपुर साउथ के क्षेत्र प्रमुख शशिकांत प्रसाद, अग्रणी जिला प्रबंधक अभय प्रकाश श्रीवास्तव सहित जनपद के सभी बैंक शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से निर्देश देते हुए कहा कि योजना के तहत प्राप्त आवेदनों को पोर्टल पर शीघ्रता से अपलोड (सोर्स) किया जाए, उनका समयबद्ध स्वीकृति (सैंक्शन) सुनिश्चित किया जाए तथा लाभार्थियों को निर्धारित समय सीमा में ऋण वितरण किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि बैंक शाखाएं वेंडर्स के साथ समन्वय बनाते हुए आम नागरिकों को पीएम सूर्य घर योजना के प्रति जागरूक करें, ताकि अधिक से अधिक लोग योजना का लाभ उठा सकें। बैठक में विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और योजना के प्रभावी संचालन को लेकर अपने सुझाव भी साझा किए।

विश्व मे तेजी से होमियो चिकित्सा पद्धति पर बढ़ा लोगों का विश्वास-डॉ. अनवर खान

विशाल सोनी

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के इराकियाना स्थित अनवर मल्टीस्पेशलिटी क्लिनिक में शुक्रवार को होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के जनक डॉ. सैमुअल हैनिमैन की जयंती बड़े ही उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर क्लिनिक परिसर में केक काटकर उनके योगदान को याद किया गया।

कार्यक्रम के दौरान होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. अनवर खान ने डॉ. हैनिमैन के जीवन, उनके सिद्धांतों और चिकित्सा जगत में उनके अमूल्य योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार होम्योपैथी एक सुरक्षित, प्रभावी और सस्ती चिकित्सा पद्धति के रूप में आज भी लाखों लोगों को लाभ पहुंचा रही है। डॉ. खान ने उपस्थित लोगों को होम्योपैथिक उपचार के फायदे बताते हुए कहा कि यह पद्धति शरीर की प्राकृतिक रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर रोगों का जड़ से उपचार करती है। डॉ. खान ने आगे कहा की डॉ. सैमुअल हैनिमैन ने चिकित्सा क्षेत्र को एक नई दिशा दी। होम्योपैथी न केवल सुरक्षित है बल्कि बिना किसी दुष्प्रभाव के रोगों का प्रभावी उपचार करती है। आज के समय में यह पद्धति लोगों के लिए एक बेहतर विकल्प बनकर उभर रही है, और हमें इसे अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम में क्षेत्र के कई गणमान्य लोग और मरीज भी उपस्थित रहे, जिन्होंने होम्योपैथी के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की और इस पहल की सराहना की।

अम्बेडकर जयंती पर जौनपुर में सभी शराब दुकानें व बार रहेंगे बंद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला आबकारी अधिकारी जौनपुर विष्णु प्रताप सिंह ने जनपद के समस्त थोक एवं फुटकर अनुज्ञापियों, देशी शराब, कम्पोजिट शॉप, भांग, ताड़ी, सीएल-02, एफएल-02/2बी, मॉडल शॉप तथा बार संचालकों—को निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने अवगत कराया कि वर्ष 2026-27 के लिए संयुक्त प्रान्त आबकारी अधिनियम 1910 की धारा-59 के अंतर्गत निर्धारित प्रावधानों एवं अनुज्ञापन की शर्तों के अनुसार 14 अप्रैल 2026 को डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर सभी आबकारी अनुज्ञापन बंद रखे जाएंगे। निर्देशों के अनुपालन में सभी संबंधित अनुज्ञापियों को आदेशित किया गया है कि उक्त तिथि पर जनपद की सभी देशी शराब, कम्पोजिट शॉप, भांग, ताड़ी की दुकानें, सीएल-02, एफएल- 02/2बी, मॉडल शॉप तथा बार पूर्णतः बंद रखना सुनिश्चित करें। जिला आबकारी अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस अनिवार्य बंदी के लिए नियमानुसार किसी प्रकार का प्रतिफल देय नहीं होगा।

प्रोफेसर अनुपम सिंह ने यूनाइटेड किंगडम में बढ़ाया जनपद का गौरव

शिव पूजन पाण्डेय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के ग्राम बेलगहन के मूल निवासी प्रोफेसर अनुपम सिंह, जो वर्तमान में यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लास्गो, यूनाइटेड किंगडम में प्रोफेसर हैं, को सर्वश्रेष्ठ शिक्षण पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें विद्यार्थियों के मार्गदर्शन, उत्कृष्ट शिक्षण और शैक्षणिक योगदान के लिए प्रदान किया गया है। छोटे से गांव बेलगहन से निकलकर अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक जगत में पहचान बनाने वाले प्रो. अनुपम सिंह ने जिले और क्षेत्र का मान बढ़ाया है। शिक्षण के साथ-साथ वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence) के क्षेत्र में भी सक्रिय शोध कर रहे हैं। उनका शैक्षणिक जुड़ाव यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड, यूनिवर्सिटी ऑफ मलाया, मलेशिया तथा सामाजिक प्रभाव के लिए अक विकसित करने वाली सरकारी परियोजनाओं से भी रहा है। प्रो. अनुपम सिंह की यह उपलब्धि जौनपुर और बेलगहन के लिए गर्व की बात है तथा क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत भी। ज्ञातव्य हो कि प्रोफेसर अनुपम सिंह दीवानी न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट धनंजय सिंह के दामाद हैं।

इंदौर नगर निगम के बजट सत्र में वंदे मातरम न बोलने पर जोरदार हंगामा

प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर नगर निगम में हाल में ही वंदे मातरम् गायन को लेकर भाजपा और कांग्रेस पार्षदों के बीच जमकर विवाद हुआ। जिसमें महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने जमकर विरोध किया। जिससे कार्यवाही बाधित हुई। नगर निगम के बजट सत्र में कांग्रेस की दो मुस्लिम महिला पार्षदों द्वारा वंदे मातरम ना बोलने पर हुए विवाद के बाद पार्टी लाइन के खिलाफ दिए गए बयान पर इंदौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष ने पार्षद रुबीना इकबाल खान को पार्टी से निष्कासित करने के लिए पत्र लिखा है। साथ ही पार्षद फोजिया शेख पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी सोशल मीडिया पर शहर अध्यक्ष के बयान के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं।

इस पूरे घटनाक्रम पर कांग्रेस के शहर अध्यक्ष और नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे का बयान सामने आया है। चौकसे ने कहा है कि इंदौर में कल नगर निगम में हुई बयानबाजी के बाद पार्षद रुबीना इकबाल खान के निष्कासन का प्रस्ताव प्रदेश कांग्रेस कमेटी को भेज दिया है। चौकसे का कहना है कि पार्टी को लेकर गलत बात करने वालों की पार्टी में कोई जगह नहीं है। अब यह मानकर चलिए कि रुबीना इकबाल खान अब कांग्रेस में नहीं रहेंगी। उधर, वंदे मातरम मामले के तूल पकड़ते ही शहर अध्यक्ष ने यह भी कहा कि जिसे वंदे मातरम नहीं गाना है, वह कांग्रेस के कार्यक्रम में भी ना आए। रुबीना के इस बयान के बाद कांग्रेस पार्टी से जुड़े हिंदू नेताओं ने कड़ी आपत्ति ली है। साथ ही पार्टी के बीच अब एक्स पर विवाद शुरू हो चुका है, जहां कांग्रेस के शहर अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने इस मामले में कांग्रेस पार्टी को शिकायत किए जाने की बात कहने के बाद राजनीति और उग्र हो गई है। प्रदेश के वरिष्ठ नेता के के मिश्रा ने वरिष्ठ नेताओं द्वारा दी गई कुबार्नी को याद करते हुए चिंटू चौकसे को सचेत किया है और पार्षद रुबीना इकबाल पर कार्रवाई करने के कड़े संदेश भी दिए हैं। वहीं दूसरी ओर इंदौर के वरिष्ठ कांग्रेस नेता और छत्तीसगढ़ अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रभारी डॉक्टर अमीनुल खान ने सरीन चिंटू चौकसे के बयान को पार्टी विरोधी बताते हुए उनका विरोध एक्स पर शुरू कर दिया है। साथ ही चिंटू चौकसे को तानाशाह करार देते हुए पार्टी की छवि बिगाड़ने वाला बयान करार दिया है।

क्या था पूरा मामला ?

दरअसल, इंदौर नगर निगम के बजट सत्र के दौरान वंदे मातरम गान के दौरान हमेशा लेट पहुंचने के मामले में हुए विवाद और सदन में वंदे मातरम के नारे लगाए जाने के बाद पार्षद फिजिया शेख ने वंदे मातरम गीत को मुस्लिम धर्म में प्रतिबंधित बताया था। हंगामें और विवाद के बाद निगम सभापति मुनालाल यादव ने एक दिन की कार्रवाई से बाहर कर दिया था। इसी बीच एक अन्य मुस्लिम कांग्रेस पार्षद रुबीना इकबाल खान ने सदन में कहा कि 'किसी के बाप में दम नहीं कि हमसे वंदे मातरम कहलवा लें।'

बिहार के जायके की देश में गूंज, मास्टर शेफ संजीव कपूर ने किया गोपाल कुशवाहा को सम्मानित

पटना (उत्तरशक्ति)। बिहार के पारंपरिक स्वाद को एक बार फिर राष्ट्रीय मंच पर पहचान मिली है। बैंगलोर में आयोजित एक भव्य अवार्ड समारोह टेस्ट ऑफ इंडिया अवार्ड सीजन 2 में देश के सुप्रसिद्ध मास्टर शेफ संजीव कपूर ने ओल्ड चंपारण मीट हाउस के सीईओ गोपाल कुशवाहा को सम्मानित किया। यह सम्मान बिहार के पारंपरिक व्यंजनों, खासकर चंपारण मीट के अनूठे स्वाद और उसकी बढ़ती लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए दिया गया। ओल्ड चंपारण मीट हाउस ने अपने सिग्नेचर डिश अहुना मटन को विशेष पकाने की शैली और प्रामाणिक स्वाद के कारण देशभर में पहचान बनाई है। इस अवसर पर गोपाल कुशवाहा ने कहा कि यह सम्मान सिर्फ उनका नहीं, बल्कि बिहार की समृद्ध खाद्य परंपरा और उन सभी लोगों का है जो इस स्वाद को देशभर तक पहुंचाने में लगे हैं।

भक्ति की तान, सुरों का प्रणाम : अनूप जलोटा के भजनों पर थिरकी श्रद्धा

सुरेश गांधी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। काशी के पावन धाम संकट मोचन हनुमान मंदिर में हनुमज्जयंती के अवसर पर आयोजित विश्वविख्यात संकट मोचन संगीत समारोह की यह संध्या भक्ति, भाव और जनआस्था के अभूतपूर्व संगम की साक्षी बन गई। समारोह की चौथी निशा उस मुकाम पर पहुंची, जहां सुर, साधना और श्रद्धा का संगम अपने उत्कर्ष पर दिखाई दिया। जैसे ही प्रारंभिक दो प्रस्तुतियों ने वातावरण को आलोकित किया, ऐसा प्रतीत हुआ मानो पूरी निशा अपने चरम पर पहुंच चुकी हो—हर स्वर में ऊर्जा, हर लय में भक्ति और हर भाव में आत्मिक स्पंदन स्पष्ट महसूस हो रहा था।

जब भजन सम्राट अनूप जलोटा मंच पर आए, तो वातावरण में केवल संगीत नहीं, बल्कि साधना की गूंज सुनाई देने लगी। मंदिर परिसर में शाम ढलते ही श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा था। हर आंख मंच की ओर टिकी थी, हर मन उस क्षण की प्रतीक्षा में था, जब सुरों की वह साधना आरंभ होगी जो आत्मा को स्पर्श कर जाए। जैसे ही अनूप जलोटा ने ऐसी लागी लगन, मीरा हो गई मगन... की पहली तान छेड़ी, पूरा परिसर एक साथ भाव-विभोर हो उठा। श्रोता केवल सुन नहीं रहे थे, बल्कि हर शब्द के साथ अपने भीतर की भक्ति को महसूस कर रहे थे।

इसके बाद ह्लरंग दे चुनरिया... और मैं नहीं माखन खायो...जैसे कालजयी भजनों ने वातावरण को और अधिक आध्यात्मिक बना दिया। तालियों की गूंज, बंद आंखों में डूबा ध्यान, और चेहरे पर झलकता भाव, हर दृश्य इस बात का साक्षी बन गया कि यह केवल एक संगीत प्रस्तुति नहीं, बल्कि एक जीवंत आराधना थी। इसी बीच भक्ति का यह प्रवाह जनभावनाओं के उफान में बदलता नजर आया। भजनों की लय के साथ श्रद्धालुओं की आस्था जयघोष बनकर फूट पड़ी, काशी बदली, अयोध्या बदली, अब मथुरा की बारी के स्वर जैसे ही गूंजे, पूरा परिसर जय श्रीकृष्ण, जय बजरंगबली और हर-हर महादेव के उद्घोष से थर्रा उठा। यह दृश्य भक्ति और जनचेतना के अद्भुत संगम का प्रतीक बन गया। श्रद्धालु भजनों की तान पर झूमते रहे, कहीं हाथ आकाश की ओर उठे थे, तो कहीं लोग भाव-विभोर होकर प्रभु स्मरण में लीन थे। हर भजन के साथ वातावरण और अधिक दिव्य होता चला गया। ऐसा लगा मानो काशी की आत्मा स्वयं इन सुरों में उतर आई हो। अनूप जलोटा की प्रस्तुति की सबसे बड़ी विशेषता उनकी साधना और सहजता रही। उन्होंने मंच को कलाकार की तरह नहीं, बल्कि एक भक्त की तरह अपनाया। उनके स्वर में वर्षों की तपस्या की गहराई और शब्दों में भक्ति की सच्चाई स्पष्ट झलक रही थी। उन्होंने हर श्रोता को उस आध्यात्मिक यात्रा का सहभागी बना दिया, जहां संगीत माध्यम था और लक्ष्य ईश्वर से साक्षात्कार।

संकट मोचन संगीत समारोह की यह संध्या यह संदेश देकर गई कि जब सुरों में श्रद्धा और जनभावनाओं का समागम होता है, तो वह केवल संगीत नहीं रहता, वह एक युगीन अनुभव बन जाता है। काशी की इस रात में भक्ति ने स्वर लिया, स्वर ने चेतना को झकझोरा और हर हृदय में आस्था की लौ को और प्रज्वलित कर दिया। मतलब साफ है संकट मोचन हनुमान मंदिर में आयोजित समारोह न सिर्फ एक यादगार संध्या बन गयी, बल्कि जनभावनाओं का विराट रूप भी उस वक्त बन गई, जब भक्ति, संगीत और आस्था का अद्भुत संगम एक साथ दिखाई दिया। मंच पर भजनों की मधुर धारा बह रही थी और सामने श्रद्धालुओं का सागर भाव-विभोर होकर झूम रहा था। इसके पूर्व मंच पर सरस्वती वीणा और मांडोलिन की जुगलबंदी ने श्रोताओं को सुरों की एक अनूठी यात्रा पर श्रोताओं को ले गए. यह संगम केवल वाद्य यंत्रों का नहीं, बल्कि परंपरा और नवाचार का भी था। मंदिर परिसर में श्रोताओं की भीड़ मंच के सामने सीमित नहीं रही—पूरा प्रांगण मानो संगीत के इस महायज्ञ में सहभागी बन गया। चौथी निशा का औपचारिक आगाज सुप्रसिद्ध सरोद वादक पंडित देव ज्योति बोस ने किया। उन्होंने अपने सरोद के माध्यम से भगवान संकट मोचन को राग महावीर कल्याण अर्पित किया, जिसकी संगत तबले पर उनके साथ पंडित कुमार बोस ने की। उन्होंने आलाप से शुरूआत कर राग का विस्तार किया, फिर जोड और विलंबित लय में उसे गहराई दी। झाला की तीव्र और रोमांचकारी प्रस्तुति ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया, और अंत में मधुर धुन के साथ उन्होंने इस साधना को पूर्णता दी। यह केवल एक वादन नहीं, बल्कि सृजन और साधना का जीवंत उदाहरण था।

तेज रफ्तार और नशे ने ली जान, बाइक की टक्कर से पैदल व्यक्ति की मौत

रिपोर्ट प्रियेश गुप्ता रुद्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के जग्गीपुर कला महमूदपुर गांव में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहां शराब के नशे में तेज रफ्तार बाइक चला रहे युवक ने पैदल जा रहे व्यक्ति को टक्कर मार दी। हादसे में व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, सभाराज (50 वर्ष) पुत्र रवाई, निवासी जग्गीपुर कला महमूदपुर, शुक्रवार शाम करीब 4 बजे अपने घर से खेत की ओर पैदल जा रहे थे। घर से लगभग 100 मीटर दूर पहुंचे ही थे कि सामने से तेज गति में आ रही बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि सभाराज ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि बाइक चालक विजय सिंह पुत्र राजेंद्र शराब के नशे में था और नियंत्रण खो बैठा। परिजन उसे जिला अस्पताल ले गए, जहां उसने नशे की हालत में हंगामा भी किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई में जुटी है।

छेड़खानी व दुष्कर्म के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में अपराध नियंत्रण के तहत चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना तेजीबाजार पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने छेड़खानी व दुष्कर्म के प्रयास के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, थाना तेजीबाजार में पंजीकृत मुकदमा संख्या 63/2026, धारा 64(1)/62 बीएनएस व 5(ट)/6 पॉक्सो एक्ट से संबंधित आरोपी भारत गौतम निवासी गढ़ाबाघराय को मुखबिर की सूचना पर गढ़ाबाघराय सड़क से गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तारी 9 अप्रैल को की गई, जिसके बाद आरोपी को पुलिस हिरासत में लेकर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी सदर देवेश सिंह के पर्यवेक्षण में की गई। थाना प्रभारी सत्येन्द्र भाई पटेल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह सफलता हासिल की। थानाध्यक्ष सत्येन्द्र भाई पटेल, उपनिरीक्षक शान मोहम्मद खान, कांस्टेबल मशकूर अहमद, पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

समर ट्रेनिंग कॉरपोरेट सफलता की पहली सीढ़ी- डॉ. नवीन शर्मा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के मानव संसाधन विकास (एचआरडी) विभाग में प्रशिक्षण 2026 के अंतर्गत समर ट्रेनिंगः डूज एंड डोन्ट्स विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को समर ट्रेनिंग के दौरान आवश्यक व्यवहारिक कौशल एवं सावधानियों के प्रति जागरूक करना था। यह एक दिवसीय कार्यशाला कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह की प्रेरणा एवं संरक्षण में संपन्न हुई। मुख्य वक्ता के रूप में गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, बीकानेर (राजस्थान) के प्रबंधन एवं प्रौद्योगिकी विभाग के डॉ. नवीन शर्मा ने कहा कि समर ट्रेनिंग के दौरान अनुशासन, समय प्रबंधन, संचार कौशल एवं प्रोफेशनल व्यवहार के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि छोटी-छोटी गलतियों से बचकर विद्यार्थी अपने प्रशिक्षण अनुभव को अधिक प्रभावी और उपयोगी बना सकते हैं। साथ ही, उन्होंने कॉरपोरेट जगत में सफलता के लिए आवश्यक गुणों पर चर्चा करते हुए सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक जीवन में लागू करने पर विशेष जोर दिया। डॉ. शर्मा ने कोलगेट, निरमा सहित विभिन्न कंपनियों के केस स्टडी प्रस्तुत करते हुए समर इंटर्न्स द्वारा दिए गए सुझावों को साझा किया, जिससे विद्यार्थियों में उत्साह और आत्मविश्वास का संचार हुआ। अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. रसिकेश ने की। उन्होंने मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रकार के व्याख्यान विद्यार्थियों के समग्र विकास में अत्यंत सहायक होते हैं और समर ट्रेनिंग उनके जीवन का महत्वपूर्ण चरण है। संचालन पूजा साहू एवं श्रेया श्रीवास्तव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन संजना मिश्र द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्रश्नोत्तर सत्र में अवंतिका यादव, अनु पांडेय, आस्था सिंह, श्रेया सिंह, मैजबीन बानों सहित अनेक विद्यार्थियों ने अपने प्रश्नों के माध्यम से जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।इस अवसर पर विभाग के शिक्षक अनुपम कुमार, डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र सहित कुणाल मिश्रा, दिव्यांशु सिंह, निधि सिंह, उज्ज्वल सिंह, राज सैनी, जान्हवी राय, शिवम सिंह एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मृतक आश्रित को मिला दो लाख रुपये का बीमा चेक

सुशील कुमार तिवारी

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। राबर्ट्सगंज स्थित केनरा बैंक शाखा द्वारा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत मृतक खाताधारक के आश्रित परिवार को दो लाख रुपये की बीमा राशि का चेक प्रदान किया गया। यह चेक महिला थाना प्रभारी सविता सरोज एवं शाखा प्रबंधक आरिफ अब्बास द्वारा मृतक की पत्नी ज्योति को सौंपा गया। बताया गया कि रामगढ़ निवासी आशुतोष कुशवाहा, जो बैंक के खाताधारक थे, लंबे समय से कैंसर से पीड़ित थे। उनकी मृत्यु के बाद उनकी पत्नी ज्योति को बीमा योजना के तहत दो लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। आशुतोष कुशवाहा ने करीब तीन वर्ष पूर्व बैंक मित्र के माध्यम से मात्र 436 रुपये वार्षिक प्रीमियम पर यह बीमा कराया था।

इस अवसर पर महिला थाना प्रभारी सविता सरोज ने कहा कि किसी व्यक्ति की मृत्यु की भरपाई संभव नहीं है, लेकिन सरकार द्वारा चलाई जा रही बीमा योजनाएं संकट के समय परिवार को आर्थिक सहारा प्रदान करती हैं। उन्होंने सभी खाताधारकों से ऐसी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। शाखा प्रबंधक आरिफ अब्बास ने बताया कि बैंक अपने ग्राहकों को बेहतर सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार की समस्या होने पर ग्राहक शाखा में संपर्क कर सकते हैं।

कार्यक्रम में सहायक प्रबंधक धर्मवीर सिंह, लोन अधिकारी जितेंद्र यादव, मुकेश गुप्ता, बैंक मित्र शक्ति पाल एवं संदीप कुमार सहित अन्य बैंक कर्मचारी उपस्थित रहे।

भारत के बाद अफगानिस्तान ने किया पाक के नूर खान एयरबेस को तबाह

नई दिल्ली। अफगानिस्तान ने सोमवार को पाकिस्तान के कई महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों पर हमले करने का दावा किया है। इनमें रावलपिंडी स्थित रणनीतिक नूर खान एयरबेस भी शामिल है। अफगान राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने इस कार्रवाई को पाकिस्तान द्वारा अफगान क्षेत्र में किए गए हवाई हमलों का जवाबी हमला बताया। एक्स पर जारी एक पोस्ट में अफगान रक्षा मंत्रालय ने कहा कि अफगान वायु सेना ने पाकिस्तान में स्थित प्रमुख सैन्य ठिकानों के खिलाफ सटीक और सुनियोजित हवाई अभियान चलाए। इनमें नूर खान एयरबेस, बलूचिस्तान के क्वेटा में 12वीं डिवीजन का मुख्यालय और खैबर पख्तूनख्वा की मोहमंद एजेंसी में ख्वाजाई कैंप शामिल हैं। पोस्ट में ड्रोन हमलों का वीडियो और सैटेलाइट तस्वीरें भी शेयर की गईं। इसमें दावा किया गया कि पाकिस्तान भर में कई अन्य रणनीतिक कमांड सेंटरों को भी निशाना बनाया गया। अफगानिस्तान के इन दावों की पुष्टि नहीं हो पाई है और नूर खान एयरबेस को हुए नुकसान का भी सही अनुमान भी नहीं है। यह एयरबेस पिछले साल मई 2025 में भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय ब्रह्मोस मिसाइलों और अन्य हमलों का शिकार हुआ था। उसके बाद से इस बेस पर पुनर्निर्माण कार्य चल रहा था। अफगान मंत्रालय की पोस्ट में कहा गया, 'यह ऑपरेशन पाकिस्तानी सेना द्वारा कल रात और आज काबुल, बगराम तथा अन्य इलाकों पर किए गए हवाई हमलों का जवाब था।' मंत्रालय ने चेतावनी दी कि अफगान हवाई क्षेत्र का कोई भी उल्लंघन या पाकिस्तान की ओर से कोई भी आक्रामकता का तेज, निर्णायक और उचित जवाब दिया जाएगा।

गंगा किनारे फिर सजी रोशनी की अद्भुत महफिल, काशी विश्वनाथ घाट पर लेजर शो की दमदार वापसी

-सुरेश गांधी

वाराणसी। आस्था और आधुनिकता के अद्भुत संगम की नगरी काशी में एक बार फिर रोशनी, ध्वनि और संस्कृति का मोहक उत्सव जीवंत हो उठा है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के गंगा घाट पर बहुप्रतीक्षित लेजर शो का पुनः शुभारंभ हो गया है। देश के सर्वश्रेष्ठ लेजर शो का अवॉर्ड प्राप्त कर चुका यह भव्य आयोजन अब फिर से श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन गया है।

इस लेजर शो में ललिता घाट और काशी के गौरवपूर्ण इतिहास को अत्यंत कलात्मक और मनोहारी ढंग से प्रस्तुत किया गया है। प्रकाश और ध्वनि के समन्वय से सजी यह प्रस्तुति काशी की सांस्कृतिक विरासत को जीवंत कर देती है, जिससे दर्शक भावविभोर हो उठते हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष गंगा के जलस्तर में अचानक आई वृद्धि के कारण लेजर शो के

उपकरण पूरी तरह जलमग्न हो गए थे। मशीनों में सिल्ट भर जाने से वे निष्क्रिय हो गई थीं और शो को बंद करना पड़ा था। महीनों तक पानी में डूबे इन उपकरणों को फिर से चालू करना किसी चुनौती से कम नहीं था।

लेकिन श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास ने हार नहीं मानी। मुंबई से विशेषज्ञ तकनीशियन टीम को बुलाकर और विभिन्न संस्थानों के सहयोग से इस जटिल कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। तकनीकी दक्षता और प्रतिबद्धता का यह उदाहरण अब रंग लाता दिखाई दे रहा है। अब यह लेजर शो पहले की तरह पूरी गुणवत्ता और भव्यता के साथ प्रस्तुत किया जा रहा है। खास बात यह है कि मंदिर घाट पर पहले से शुरू हो चुकी सायंकालीन गंगा आरती के बाद प्रतिदिन इस शो का आयोजन किया जाएगा। लगभग 10 मिनट की यह प्रस्तुति श्रद्धालुओं को आध्यात्मिकता के साथ-साथ आधुनिक तकनीक का अद्भुत अनुभव कराती है।

लेजर शो के पुनः शुरू होने से काशी विश्वनाथ घाट की रौनक और बढ़ गई है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक इस आकर्षक दृश्य का आनंद लेने पहुंच रहे हैं। उपस्थित लोगों ने इस पहल की जमकर सराहना की और इसे काशी के पर्यटन को नई ऊंचाई देने वाला कदम बताया। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास द्वारा निरंतर किए जा रहे नवाचार यह स्पष्ट करते हैं कि धार्मिक आस्था के साथ आधुनिक सुविधाओं का संतुलन बनाते हुए श्रद्धालुओं के अनुभव को और बेहतर बनाने की दिशा में गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं। अब गंगा किनारे यह रोशनी का उत्सव न केवल आस्था को आलोकित करेगा, बल्कि काशी की सांस्कृतिक पहचान को भी नई चमक देगा।

ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड ने अपनी नई ब्रांड पहचान पेश की

Olectra

Transforming Everyday

मुंबई । भारत की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक बस निमार्ता कंपनी ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड ने अपनी नई ब्रांड पहचान पेश की है। कंपनी का नया टैगलाइन "Transforming Everyday" उसके भविष्य-उन्मुख दृष्टिकोण को दशार्ता है।

मुंबई में BEST, MSRTC और PMPML के बेड़े में शामिल ओलेक्ट्रा ई-बसें आज नागरिकों की रोजमर्रा की यात्रा का अहम हिस्सा बन चुकी हैं। ये बसें शोर-रहित, प्रदूषण-मुक्त हैं और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने में मदद करती हैं। ओलेक्ट्रा के प्रबंध निदेशक महेश बाबू ने कहा, नई पहचान केवल दृश्य परिवर्तन नहीं है, बल्कि हमारी महत्वाकांक्षा और मूल्यों का प्रतिबिंब है। हम एक बस निर्माता से आगे बढ़कर एकीकृत मोबिलिटी और ऊर्जा समाधान देने वाली संस्था बन रहे हैं। देशभर में 3, 600 से अधिक ई-बसें चल रही हैं और 10, 000 से अधिक वाहनों का ऑर्डर बुक है। मुंबई जैसे महानगर में ओलेक्ट्रा की ई-बसें टिकाऊ, कुशल और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन का प्रतीक बन रही हैं।

महानगर गैस लिमिटेड, केडीएमसी के सहयोग से कल्याण में करेगी पीएनजी पंजीकरण शिविर आयोजित

कल्याण। महानगर गैस लिमिटेड, भारत की एक प्रमुख सिटी गैस डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी, कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका के सहयोग से कल्याण में पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) पंजीकरण शिविर आयोजित करने जा रहा है। यह स्वच्छ और सुविधाजनक रसोई ईंधन को बढ़ावा देने की दिशा में एक संयुक्त पहल है। यह शिविर रामबाग ज्येष्ठ नागरिक संस्थान, कल्याण में रविवार, 12 अप्रैल 2026 को आयोजित किया जाएगा। अधिक से अधिक लोगों को सुविधा प्रदान करने के लिए शिविर दो समय स्लॉट में आयोजित किया जाएगा। सुबह 09:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक और शाम 05:00 बजे से रात 09:00 बजे तक। निवासी इन समयों के दौरान आकर आसानी से अपना पंजीकरण करवा सकते हैं।

इस पीएनजी पंजीकरण शिविर का उद्देश्य केंद्र सरकार के हालिया निर्देशों के अनुरूप निवासियों को तत्काल सहायता और मार्गदर्शन प्रदान कर उनके घरेलू पीएनजी कनेक्शन की पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाना है। शिविर में निवासियों को पीएनजी के लाभों के बारे में जानकारी दी जाएगी, आवश्यक दस्तावेजों पर मार्गदर्शन मिलेगा और प्रशिक्षित एमजीएल कर्मियों की सहायता से वे अपनी पंजीकरण प्रक्रिया आसानी से पूर्ण कर सकेंगे।

महानगर गैस लिमिटेड कल्याण और आसपास के क्षेत्रों के निवासियों को इस शिविर में भाग लेने और अपने घरों के लिए सुरक्षित, विश्वसनीय और हरित ईंधन अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाने के लिए आमंत्रित करती है। पीएनजी एक आधुनिक समाधान है, जो पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता कम करती है और एक हरित व स्वस्थ भविष्य की दिशा में योगदान देता है। एमजीएल अपने सभी भौगोलिक क्षेत्रों में विश्वसनीय आपूर्ति और बेहतर सेवा वितरण सुनिश्चित करने के लिए अपने बुनियादी ढांचे और ग्राहक सेवा प्रयासों को लगातार मजबूत करता रहेगा।

अस्तित्व: विशाखा आप्टे की कलात्मक यात्रा की एक पूरी खोज

मुंबई। मशहूर पेंटर विशाखा आप्टे के कामों की एक अनोखी सोलो प्रदर्शनी 14 से 20 अप्रैल 2026 तक जहांगीर आर्ट गैलरी में हो रही है। यह प्रदर्शनी सभी के लिए खुली रहेगी। गैलरी रागिनी द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी का कॉन्सेप्चुअल गाइडेंस इना पुरी ने दिया है। मुंबई के बाद यही प्रदर्शनी 25 अप्रैल से 30 मई तक नई दिल्ली में भी दिखाई जाएगी, जिससे राजधानी के कला प्रेमियों को आप्टे की कला की दुनिया का अनुभव करने का मौका मिलेगा। यह प्रदर्शनी, जो तीन दशकों से ज्यादा की क्रिएटिव यात्रा को दिखाती है, इसमें पेंटिंग, प्रिंटमेकिंग, कागज पर रचनाएँ और मिट्टी के काम शामिल हैं। आप्टे ने अलग-अलग मीडिया में बनाए गए अपने कामों में होने, मौजूदगी और इंसानी अनुभव को खोजा है। उनके काम बाहरी दिखावे के बजाय शांत, संयमित और आत्मनिरीक्षण करने वाले एक्सप्रेशन पर जोर देते हैं। आप्टे की कला की दुनिया में इंसानी आकृति पूरी तरह से नहीं बल्कि टुकड़ों, निशानों और निशानों में दिखाई देती है। पैर और हाथ जैसे एलिमेंट मूवमेंट, बैलेंस और होने का एहसास दिखाते हैं। वे उसकी रोजमर्रा की ज़िंदगी की चीज़ों में भी जान डाल देते हैं, जिससे इंसान और माहौल के बीच की सीमाएं धुंधली लगने लगती हैं। कागज के इस्तेमाल से उन्होंने इको-फ्रेंडली तरीका भी दिखाया है और आसान एलिमेंट से मतलब वाले स्ट्रक्चर बनाए हैं। कॉन्सेप्चुअल आर्टिस्ट इना पुरी के मुताबिक आप्टे के आर्टवर्क शरीर का कोई बड़ा नजारा नहीं दिखाते, बल्कि उसकी समझ बारीक टेक्सचर, वजन और निशानों के जरिए दिखाई जाती है। यह आर्ट लैंग्वेज देखने वाले को चुपचाप सोचने पर मजबूर करती है।

विशाखा आप्टे का जन्म 1966 में नासिक में हुआ था। उन्होंने मुंबई के जे. जे. कॉलेज ऑफ आर्ट्स से पढ़ाई की और उन्हें कई नेशनल लेवल के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। उन्होंने देश-विदेश में कई एग्ज़िबिशन में हिस्सा लिया है। उनके काम दिल्ली के नेशनल म्यूज़ियम ऑफ मॉडर्न आर्ट समेत कई मशहूर जगहों पर संभालकर रखे गए हैं। कुल मिलाकर, यह एग्ज़िबिशन फॉर्म, मेमोरी और मीडियम के बीच के रिश्ते पर गहरी सोच दिखाती है, और दर्शकों को एक आरामदायक और खुद को समझने वाला अनुभव देती है।

वर्षा मिश्रा के आयकर विभाग में चयन से क्षेत्र में खुशी की लहर

जौनपुर। जनपद जौनपुर के सिकरारा क्षेत्र स्थित ग्राम मुकुंदीपुर की निवासी, होनहार बिटिया वर्षा मिश्रा का चयन CGL परीक्षा 2025 के माध्यम से आयकर विभाग (Income Tax Department) में होने पर पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। वर्षा मिश्रा, देवीदयाल हिन्दी हाईस्कूल (कल्याण) के सेवानिवृत्त प्रिंसिपल अखिलेश चन्द्र मिश्र की सुपुत्री एवं आशीष मिश्र की भतीजी हैं। एक शिक्षक की पुत्री होने के नाते वर्षा ने अनुशासन, कठिन परिश्रम और समर्पण के बल पर यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है, जो क्षेत्र के छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणास्रोत है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी, पूर्व न्यायाधीश विनोद मिश्र, वेदभूषण मिश्र,विनय मिश्र, अश्विनी उपाध्याय, डाक्टर मिश्र,अखिलेश मिश्र, इंद्रमणि मिश्र,महेंद्र प्रसाद मिश्र,अनिलेश मिश्र,राकेश मिश्र,संजय मिश्र,संजय तिवारी, राय साहब मिश्र,मिथिलेश मिश्र, दुर्गेश मिश्र, शैलेंद्र मिश्र,अनुज मिश्र,सर्वेश मिश्र,गुलशन मिश्र,दीनानाथ मिश्र,श्यामदत्त मौर्या, पत्रकार एवं महाराष्ट्र शासन के विशेष कार्यकारी अधिकारी आदेश मिश्र, संदीप तिवारी, एडवोकेट अमन मिश्र, एड अंकित मिश्र, आशीष मिश्र, उपेंद्र मिश्र, कार्तिक मिश्र सहित समस्त ग्रामवासी एवं क्षेत्रवासियों तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने वर्षा मिश्रा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

यादव को दी जन्मदिन की बधाइयां

जयपुर। चार्ट ग्रुप रियल एस्टेट डेवलपर एंड कॉलोनाइजर के मैनेजिंग डायरेक्टर नरेश यादव का 35 वा जन्मदिन सादगी पूर्ण उनके अपने ऑफिस में (वर्धमान नगर मानसरोवर में) अपने टीम के सभी साथियों के साथ मिलकर सादगी पूर्ण मनाया इस अवसर पर सभी ने नरेश यादव को गुलदस्ता भेंट कर उनको हार्दिक बधाई देते हुए सभी ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। हसमुख व्यक्तित्व के धनी यादव ने अपने सभी चहेतो का मुंह मीठा करवाया। इस दौरान सुनील यादव,पंकज कुमार, पंकज नावरिया, पवन कुमार, अजीत यादव, देवेन्द्र यादव,रमेश सुरा, सफीक, डॉ राजेंद्र कुमावत, विक्रम सिंह तंवर, अरविन्द सिहोत्रा सहित कई शुभचिंतक उपस्थित रहे।

आयुष्मान कार्ड बनाने में लापरवाही बरतने पर चिकित्साधिकारियों के वेतन रोकने के निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य शासी निकाय की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा प्रधानमंत्री जननी सुरक्षा योजना, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता, जिला चिकित्सालय में मूलभूत सुविधाओं, स्वास्थ्य सुविधाओं इत्यादि के संदर्भ में जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि सभी अस्पतालों में नियमित साफ सफाई होनी चाहिए, नियमित तौर पर चादर बदले जाएं। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि गंदगी पाए जाने पर संबंधित एमओआईसी का वेतन रोकने के साथ ही कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की समीक्षा के दौरान कुछ विकास खण्डों में गत 41 दिवसों में 1000 से कम आयुष्मान कार्ड बनाए जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा ब्लॉक मुंगराबादशाहपुर, धमापुर, बदलापुर, सुइथाकला, बरसठी, मडियाहू, जलालपुर, सिरकोनी, सिकरारा, सुजानगंज सहित अन्य विकासखंड जहां 1000 से कम आयुष्मान कार्ड बनाए गए थे पर संबंधित चिकित्सा अधीक्षक के प्रति कड़ी नाराज व्यक्त करते हुए, एक सप्ताह में प्रगति लाने के निर्देश दिए अन्यथा की दशा में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने मुंगराबादशाहपुर, धमापुर, सुइथाकला, बदलापुर में अत्यंत खराब प्रगति पर चिकित्साधिकारियों के वेतन रोकने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि प्रत्येक विकासखंड में प्रतिदिन 250 आयुष्मान कार्ड बनाए जाएं। अन्यथा संबंधित चिकित्साधिकारी के तीन वेतन वृद्धि रोकने व प्रतिकूल प्रविष्टि जारी करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 प्रभात, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, चिकित्सा अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मुंबई एयरपोर्ट पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

-सुरेन्द्र यादव

मुंबई (उत्तरशक्ति)। केरल विधानसभा चुनाव प्रवास के 21 दिनों के बाद मुंबई आगमन पर भाजपा कार्यकताओं और समर्थकों ने मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर पूरे माहौल में उत्साह और जोश देखने को मिला, जहां कार्यकताओं ने फूल-मालाओं और नारों के साथ अपने नेताओं का अभिनंदन किया।

इस स्वागत कार्यक्रम में भाजपा मुंबई के उत्तर भारतीय मोर्चा अध्यक्ष प्रमोद मिश्रा, नेता अजय शुक्ला, उत्तम शुक्ला, मनोज दुबे और बृजेश दुबे का मुंबई आगमन हुआ। सभी नेताओं का कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके नेतृत्व की सराहना की। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सुरेंद्र यादव उत्तर भारतीय मोर्चा चांदीवली विधानसभा अध्यक्ष, मनोज सिंह, राजन गुप्ता, मनोज सिंह, सुनील यादव, वार्ड 163 अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव, मंजुषा शेटे , सरिता विश्वकर्मा, चंद्रिका अथणीकर, सुभाष कटियार सहित बड़ी संख्या में समर्थक और शुभचिंतक उपस्थित रहे। इस दौरान नेताओं ने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केरल चुनाव प्रवास के दौरान मिले अनुभव संगठन को और मजबूत बनाने में सहायक होंगे। उन्होंने सभी से आगामी कार्यक्रमों में भी इसी तरह सक्रिय सहभागिता बनाए रखने का आह्वान किया। पूरे आयोजन में अनुशासन और संगठनात्मक एकता की झलक साफ दिखाई दी, जिसने भाजपा कार्यकर्ताओं के उत्साह को और भी बढ़ा दिया।

बिन्द समाज विकास संघ की बड़ी घोषणा, गुजरात एवं सूरत इकाई में नए पदाधिकारियों की नियुक्ति

सूरत (उत्तरशक्ति)। बिन्द समाज विकास संघ ने अपनी कार्यकारिणी समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की सर्वसम्मति से समाजहित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए गुजरात प्रदेश एवं जनपद सूरत इकाई में नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की घोषणा की है। इन नियुक्तियों का मुख्य उद्देश्य समाज की संगठनात्मक शक्ति को और अधिक सुदृढ़ बनाना तथा शैक्षणिक, सांस्कृतिक, स्वास्थ्य एवं सर्वांगीण विकास से जुड़े कार्यों को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाना है। संगठन को पूर्ण विश्वास है कि नव-नियुक्त पदाधिकारी अपने अनुभव, समर्पण एवं सामाजिक चेतना के माध्यम से बिन्द समाज के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह पहल संगठन की पारदर्शिता, एकता और विकास की दिशा में एक सशक्त कदम मानी जा रही है। बिन्द समाज विकास संघ अपने मूल उद्देश्यों एकता, जागरूकता, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, बाल विकास, खेलकूद, सेवा एवं संघर्ष के साथ समाज को उन्नति के पथ पर अग्रसर करने के लिए प्रतिबद्ध है।

गुजरात प्रदेश इकाई इकाई में नियुक्त पदाधिकारी में श्रीमती बिंदु चंद्रशेखर बिंद अध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ गुजरात, फूलचंद्र बिन्द अध्यक्ष, अनिल कुमार बिन्द महासचिव, जनपद सूरत इकाई की पदाधिकारी में संजय बिन्द अध्यक्ष जनपद सूरत, राजकुमार बिन्द उपाध्यक्ष, चंद्रशेखर बिंद सचिव, दीना नाथ बिंद महासचिव, रमेश कुमार बिन्द कोषाध्यक्ष, ओमप्रकाश बिन्द संगठन मंत्री, लालमन बिन्द प्रवक्ता, गुलाबचंद बिन्द संयोजक मंत्री, दीपक बिन्द, मीडिया प्रभारी, श्रीमती संजना बिन्द अध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ सूरत,अन्य इकाइयाँ श्रीमती शिव ज्योति बिन्द अध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ दक्षिण सूरत सचिन, युवासेना सूरत इकाई में सुरेश कुमार बिन्द अध्यक्ष, लवकुश बिन्द कोषाध्यक्ष,अजय बिन्द महासचिव, धीरेन्द्र कुमार बिन्द मीडिया प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। संस्था के अध्यक्ष ने समाज के बंधुओं से आह्वान किया है कि बिन्द समाज विकास संघ से जुड़कर समाज के सर्वांगीण विकास की इस यात्रा में सहभागी बनें।

वरिष्ठ शिक्षक रामभाऊ काकड की सेवापूर्ति गौरव समारोह संपन्न

मुंबई। मुलुंड पश्चिम स्थित वातानुकूलित प्रशांत होटल में वि.पा.सा.भागशाला(स्कूल) पासपोली मनपा माध्यमिक स्कूल के वरिष्ठ शिक्षक रामभाऊ हरी काकड सर के सेवापूर्ति की पूर्व संध्या पर सेवापूर्ति गौरव समारोह का आयोजित किया गया । इस अवसर पर काकड सर का शाल, श्रीफल और पुष्प गुच्छ देकर सम्मान करते हुए समाजसेवी शिक्षाविद् चंद्रवीर बंशीधर यादव, युवा बिग्रेड के अध्यक्ष डॉ सचिन सिंह, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के सेवानिवृत्त अधिकारी समाजसेवी रमेश आर. यादव एवं वरिष्ठ शिक्षक पांडुरंग पाटिल सर आदि।

नोएडा में लिव-इन रिलेशनशिप से बढ़ता खतरा, हर माह सामने आ रहे 20 से 30 आपराधिक मामले

नोएडा। पढ़ाई और नौकरी के बेहतर अवसरों के चलते बड़ी संख्या में युवा, खासकर युवतियां, नोएडा आ रही हैं। मगर नए शहर की आजादी और अकेलेपन के बीच बन रहे रिश्ते अब चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। वन स्टॉप सेंटर के अनुसार, शहर में हर महीने 20 से 30 लिव-इन रिलेशनशिप के मामले सामने आ रहे हैं, जिनमें अधिकतर बाहर से आए युवाओं के हैं। काउंसलिंग टीम का कहना है कि घर से दूर रहने, भावनात्मक सहारे की तलाश और सोशल मीडिया के जरिए बनी नजदीकियां युवाओं को जल्दी फैसले लेने के लिए प्रेरित करती हैं। लेकिन जब ये रिश्ते जिम्मेदारियों और हकीकत से टकराते हैं, तो हालात बिगड़ने लगते हैं और कई युवतियां मानसिक तनाव व असुरक्षा का सामना करती हैं। 21 वर्षीय युवती बड़े सपनों के साथ नोएडा कोचिंग के लिए आई थी। शुरूआत में सब सामान्य था, लेकिन पीजी में रहने के दौरान उसकी मुलाकात एक युवक से हुई। दोनों के बीच दोस्ती गहरी हुई और उसने उस पर भरोसा कर उसके साथ रहने का फैसला कर लिया। कुछ समय बाद जब खर्चों और जिम्मेदारियों को लेकर विवाद शुरू हुए, तो रिश्ता धीरे-धीरे टूटने लगा। युवक का व्यवहार बदल गया और युवती खुद को अकेला महसूस करने लगी। मानसिक तनाव के बीच वह वन स्टाप सेंटर पहुंची, जहां काउंसलिंग के बाद उसने हिम्मत जुटाई और खुद को उस स्थिति से बाहर निकालकर पढ़ाई पर दोबारा ध्यान देना शुरू किया।

महाराष्ट्र दिवस से बेलापुर किले के संरक्षण के लिए आमरण भूख हड़ताल का ऐलान

नवी मुंबई। नवी मुंबई स्थित ऐतिहासिक बेलापुर किला की बदहाल स्थिति को लेकर कॉन्शियस सिटिजन्स फोरम ने कड़ा रुख अपनाया है। फोरम ने 1 मई (महाराष्ट्र दिवस) से आमरण भूख हड़ताल शुरू करने की घोषणा की है। फोरम के अध्यक्ष के. कुमार ने बताया कि किले के संरक्षण, मरम्मत और पुनर्निर्माण को लेकर कई बार संबंधित विभागों और शासन को लिखित शिकायतें दी गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।उन्होंने कहा कि 16वीं शताब्दी में बना यह किला सिद्दी, पुर्तगाली, मराठा और ब्रिटिश शासन का साक्षी रहा है। वर्ष 1733 में मराठा सेनापति चिमाजी अप्पा द्वारा इस किले पर विजय प्राप्त की गई थी, जिससे इसका ऐतिहासिक महत्व और बढ़ जाता है। के. कुमार का आरोप है कि किले की मरम्मत का काम एक अयोग्य ठेकेदार को दिया गया, जिसने निम्न स्तर की सामग्री का उपयोग किया। इससे किले की स्थिति और खराब हो गई। हाल ही में किले का एक हिस्सा गिरने की घटना भी सामने आई है, लेकिन अब तक किसी जिम्मेदार अधिकारी या ठेकेदार पर आपराधिक कार्रवाई नहीं हुई। वर्तमान में किले के चारों ओर झाड़ियां फैल चुकी हैं, संरचना जर्जर होती जा रही है और यह धरोहर धीरे-धीरे नष्ट होने की कगार पर है। के. कुमार नेसिडको पर भी लापरवाही का आरोप लगाया है।के. कुमार ने मरम्मत कार्य में हुई अनियमितताओं की उच्च स्तरीय जांच,दोषी ठेकेदारों और अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई, विशेषज्ञों की, किले की निगरानी में वैज्ञानिक तरीके से पुनर्निर्माण, दीर्घकालिक रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था और किले को एक विकसित पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने की मांग की है के. कुमार ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने जल्द कदम नहीं उठाए, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। साथ ही पत्रकारों, सामाजिक कार्यकताओं और आम नागरिकों से इस जनहित के मुद्दे पर समर्थन देने की अपील की गई है।

कैप्री ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड ने की 500 करोड़ रुपये की राशि के लिए सिक्योर्ड

मुंबई। कैप्री ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड (कंपनी) ने सिक्योर्ड, रेटेड, लिस्टेड, रिडीमेबल नॉन-कनवर्टिबल डिबेंचर्स (एनसीडी) के ट्रेंच-1 पब्लिक इश्यू की घोषणा की है, जिसकी कुल राशि 500 करोड़ रुपये है. इसमें बेस इश्यू साइज 100 करोड़ रुपये के साथ 400 करोड़ रुपये का ग्रीन शू ऑप्शन शामिल है. ंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर राजेश शर्मा ने कहा, हम कैप्री ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड के सिक्योर्ड, रेटेड, लिस्टेड, रिडीमेबल नॉन-कनवर्टिबल डिबेंचर्स के ट्रेंच-1 इश्यू की घोषणा करते हुए प्रसन्न हैं. कैप्री ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड में हम एमएसएमई लोन, हाउसिंग लोन, गोल्ड लोन और कंस्ट्रक्शन फाइनेंस सहित चार प्रमुख लेंडिंग सेगमेंट्स के माध्यम से सुरक्षित और कोलैटरलाइज्ड लोन की व्यापक रेंज प्रदान करते हैं. मजबूत एक्जीक्यूशन, सतर्क रिस्क मैनेजमेंट और टेक इनेबल्ड आउटरीच पर केंद्रित रहते हुए, हम भारत भर के उन उपभोक्ताओं को सहायता प्रदान करने के अपने विजन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, जो अभी तक मुख्यधारा की वित्तीय सेवाओं से वंचित हैं। इश्यू के माध्यम से जुटाई गई राशि का कम से कम 75% हिस्सा आगे कर्ज देने, फाइनेंसिंग और कंपनी के मौजूदा कर्जों के ब्याज एवं मूलधन के पुनर्भुगतान के लिए उपयोग किया जाएगा. शेष राशि (जो 25% से अधिक नहीं होगी) आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में उपयोग की जाएगी, जो सेबी (इश्यू एंड लिस्टिंग ऑफ नॉन-कनवर्टिबल सिक्योरिटीज) रेगुलेशंस, 2021 के अनुपालन में होगी ।

डॉ. वकील नज़ीर इण्टर कालेज
ADDMISSION OPEN
2026- 27
फाउंडर & मैनेजर
डॉ. वकील अहमद नजीर
80094 80093
असिस्टेंट मैनेजर
मो0 राफे शमीम
(M.B.A)
निकट- करीमगंज, मानी कलाँ, शाहगंज, जनपद -जौनपुर (उ0प्र0)- 222139

मो. 7897031065, 9889373010
लालमनी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेन्टर
स्थान- मेडिकल कॉलेज के सामने, सिद्दीकपुर, जौनपुर.
हमारे अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सक
डॉ. दिलीप कुमार सरोज
MBBS-M.S. ORTHO
हड्डी रोग विशेषज्ञ • On Call
डॉ. चंचला मिश्रा
MBBS-M.S.
स्त्रीरोग विशेषज्ञ • सुबह 10 से शाम 4 तक
डॉ. दिनेश कुमार
MBBS.MD. (GENERAL MEDICINE)
IMS - BHU 24 घण्टे
डॉ. प्रभाकर उपाध्याय
MBBS-M.S.
(जनरल सर्जरी) • On Call
डॉ. सुनील दुबे
MBBS-M.S.
(जनरल सर्जरी) • On Call
डॉ. अरविन्द कुमार यादव
MBBS-M.D.
बाल रोग विशेषज्ञ • प्रतिदिन
उपलब्ध सुविधाए-
• OT (MODULAR OT)
• VENTILATOR
• DIGITAL X-RAY
• PATHOLOGY
• ICU
• ABG
• BiPAP
• ECG

ISO 9001: 2015 CERTIFIED
आशीर्वाद हॉस्पिटल
डा. विनोद कन्नौजिया
एम.बी.बी.एस., एम.एस. (आर्थो सर्जन)
ट्रामा एण्ड ज्वाइन्ट रिप्लेसमेन्ट सर्जन
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
दूरबीन (Arthroscopy) विधि द्वारा Ligament Repair (ACL, PCL, Etc.) की सुविधा उपलब्ध।
आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत समस्त रोगों का नि:शुल्क इलाज
Policetechnical Chauraha, Jaunpur
9415287571, 8953320461
9838639567, 7839059070
जनपद का प्रथम जापानी तकनीकी से निर्मित अध्यायुविक IVF (टेस्ट ट्यूब बेबी) सेन्टर
ASHIRWAD IVF & FERTILITY CENTER
Embrance Your Life's Most Precious Gift
डा. अन्जू कन्नौजिया
एम.बी.बी.एस., एम.एस.कन्सलटेन्ट आब्सटेट्रिक्स &
गायनकोलोजिस्ट एण्ड इनफर्टिलिटी स्पेशलिस्ट
इक्सी टेस्ट ट्यूब बेबी विशेषज्ञ
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
पता : पालिटेक्निक चौराहा, जौनपुर

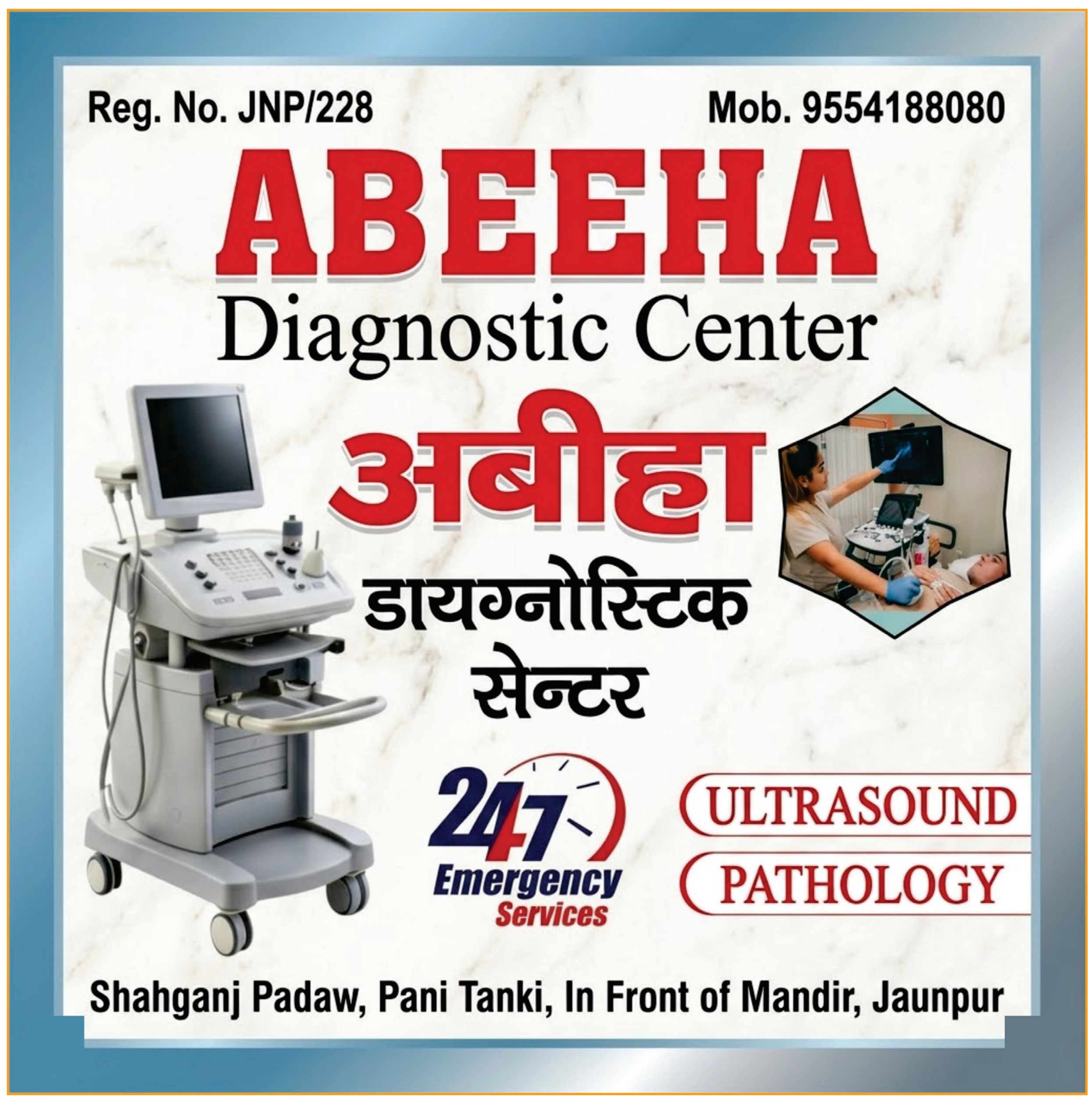
Reg. No. JNP/228
Mob. 9554188080
ABEEHA
Diagnostic Center
अबीहा
डायग्नोस्टिक सेन्टर
24/7 Emergency Services
ULTRASOUND
PATHOLOGY
Shahganj Padaw, Pani Tanki, In Front of Mandir, Jaunpur

EPS EDEN PUBLIC SCHOOL
C.B.S.E. AFFILIATED (10+2) ENGLISH MEDIUM
Nursery to IX & XI Science, Commerce & Art
नूरजहाँ गर्ल्स हायर सेकण्ड्री स्कूल
2026-27 ADMISSION OPEN
Founder/Chairmain
Pervez Alam (Bhutto)
Add- Imranganj, Shahganj, Jaunpur (UP) 223101

नया सत्र
MODERN CONVENT SCHOOL
Educate A Girl.... Educate A Family....
Best Educationist Award by Deputy CM Shri Brajesh Pathak
मॉडर्न कान्वेंट स्कूल
कक्षा- नर्सरी से 11 तक
अंग्रेज़ी माध्यम
Established Since 1999
With good quality of education
E-mail: modernconventschool007@gmail.com
www.mcsshools.com
प्रवेश प्रारम्भ
2026-27
7518714123
8960117268
7007016231
प्रबंधक
डॉ0 आबिद खान
निकट- हबीब हॉस्पिटल के पास खेतसाराय, जौनपुर

जीवन रक्षा हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर

डा0 नवीन कुमार सिंह
M.B.B.S., M.S. (Ortho)
हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 शिल्पी सिंह
M.B.B.S., M.S. (Obs & Gyn)
स्त्री रोग विशेषज्ञ

फ्रैक्चर, गठिया, कमर दर्द ऑथराइटिस, कूल्हाघुटना प्रत्यारोपण इत्यादि रोगो का इलाज

सिजेरियन डिलीवरी, बच्चेदानी का ऑपरेशन ट्यूमर का ऑपरेशन दूरबीन विधि द्वारा बच्चे की जाँच नार्मल डिलीवरी इत्यादि रोगो का इलाज किया जाता है।

आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
इमरजेन्सी सुविधा 24 घण्टे उपलब्ध
24/7 Emergency Services
नया पता- पुलिस चौकी के सामने, सिपाह, आजमगढ़ रोड जौनपुर (उ0प्र0) 6390303050

त्रिभुवन सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल

TSMH

डा0 जयेश सिंह
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (पीडियाट्रिक्स)
डी.एम. (नियोनेटोलॉजी)
(Fernandez Hospital, Hyderabad)
DASSI (KEM Pune)
ONTOP (AIIMS New Delhi)

हृदय रोग एवं डायबिटीज रोग विशेषज्ञ
डा0 स्पृहा सिंह
M.B.B.S., MD (Pt. JNM Raipur)
CCEBDM (Diabeties)
जनरल फिजिशियन एवं मधुरोग विशेषज्ञ
पूर्व चिकित्सक आपोलो हॉस्पिटल, हैदराबाद

पूर्वांचल के प्रथम व एकमात्र सुपर स्पेशलिस्ट नवजात शिशु व बाल रोग विशेषज्ञ

- नवजात शिशु का आई.सी.यू. एक्सरे, ई.सी.जी. एवं बच्चों के सभी रोगों का इलाज।
- निमोनिया, जन्म पर गन्दा पानी पीने वाले नवजात अत्याधुनिक आई.सी.यू. की सुविधा।
- समय से पूर्व (सतवासे) में पैदा हुए बच्चों का इलाज एवं बच्चों का समस्त टीकाकरण।
- नवजात शिशु, हाई रिस्क ओपीडी (प्रत्येक शनिवार) अत्यन्त अल्पविकसित नवजात व गम्भीर स्थिति से भर्ती नवजात के मानसिक एवं शारिरीक विकास का आकलन व उपचार।
- अल्पविकसित नवजात शिशु को एक बार अवश्य दिखाए ।

★ वयस्कों में हार्ट, किडनी, शुगर, पेट रोग, लकवा, पैरालाइसिस निमोनिया, लीवर, डेंगू, मलेरिया, टाईफाइड, अस्थमा/दमा, हाईब्लड प्रेशर, मलेरिया, डायलसिस, सिजेरियन डिलिवरी नसों में शून्नपन, मस्तिष्क ज्वर, पीलिया, हेपेटाईटिस बी., ल्यूकोरिया खूनी पेचिस, सर दर्द, माइग्रेन, यूरिन इन्फेक्शन स्वास व फेफड़ा रोग व अन्य सभी रोगों का इलाज किया जाता है।

आयुष्मान कार्ड द्वारा नवजात शिशु, बच्चों एवं व्यस्को का निःशुल्क इलाज।
पूर्वांचल के एक मात्र सुपरस्पेसिलिस्ट नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ

पता- दिवानी कचहरी, अम्बेडकर तिराहा, जौनपुर | 05452-356274, 7992031213, 9026551423 | YouTube @TribhuvanSinghMemorialHospital

Affiliation Code- 2134064
2026-27 ADMISSION OPEN
Schooll Code- 72085

NEW DELHI PUBLIC SCHOOL

Shaping Generations

NURSERY ONWARDS
Affiliated to CBSE New Delhi
LEARNING BY DOING

Our Facilities

- Qualified Teachers
- Group Activities
- Quality Education
- Creative Learning

YOUR KIDS DESERVE THE BEST EDUCATION

Mob.: 9170993826, 7269081017
Add- Imranganj, Shahganj, Jaunpur (UP) 223101

Reg.No.- CMEE2134134

SALVATION HOSPITAL
साल्वेशन हॉस्पिटल

A Unit of Solvation Foundation Trust
कंधरपुर, मुरादगंज, जौनपुर (वाराणसी-लखनऊ न्यू हाइवे NH-56) से 400 मीटर दूरी पर
ECHS EX. SERVICEMEN CONTRIBUTORY HEALTH SCHEME

प्रतीक श्रीवास्तव (मैनेजिंग डायरेक्टर)
डा. विवेक श्रीवास्तव एम.डी. (फिजिसियन) Feilposnia in Ots & Gyana Fellbeship in Dielysis Meirber of Indian Medical Association
डा. प्रियंका श्रीवास्तव B.A.M.S. स्त्री रोग विशेषज्ञ
डा. अमित कुमार गौरव एम.बी.बी.एस., एम.डी.एम कार्डियोलॉजिस्ट आई.एम.एस., बी.एच.यू.
डा. संदीप राय एम.बी.बी.एस., एम.डी.एम गैस्ट्रोलॉजिस्ट जी.बी. पन्त हॉस्पिटल. न्यू दिल्ली
डा. संतोष कुमार मौर्य एम.बी.बी.एस., एम.डी., डी.एम नेफ्रोलॉजिस्ट
डा. उज्जवला बी.डी.एस. (डेंटिस्ट) दन्त रोग विशेषज्ञ

सुविधाएँ-
- वेन्टीलेटर वाईपैप की सुविधा
- ICU भर्ती उपलब्ध
- अल्ट्रासाउण्ड, एक्स-रे
- पैथोलॉजी/ ECG

- हमारे यहाँ आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत कार्ड धारकों को निःशुल्क इलाज व ऑपरेशन किया जाता है।
- आयुष्मान कार्ड धारकों को निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध है।
- दांतो की सम्पूर्ण जाँच उपलब्ध है। • आँखों की सम्पूर्ण जाँच व ऑपरेशन भी होता है।
- TPA/Insurance Company के द्वारा कैशलेश की सुविधा उपलब्ध है।

परामर्श हेतु संपर्क करें- 9138828283, 8686867547, 7742913338
www,thesalvationhospital.com salvationhospital@gmail.com Salvationhospital

नोट- डी.एम.गेस्ट्रो, काडियो, नेफ्रो को दिखाने के लिए पहले से नम्बर लगायें।

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर

ARUNODAYA Surgical & Trauma Center

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)

वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग

गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

24/7 Emergency Services

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

डा0 पुनीत सिंह M.S.M.C.H. गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)
डा0 रवि प्रकाश सिंह M.S. (Ortho) हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा0 प्रभात सिंह M.D.(Medicine) कंसल्टेंट फिजिशियन
डा0 सुमित कुमार सिंह M.D.(Neuro Psychiatrist) मानसिक रोग विशेषज्ञ

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद,,जौनपुर

AMIR TRAVELS

Hajj & Umrah Services
DOMESTIC & INTERNATIONAL AIR TICKETS

Visit Visa, Holiday Tour Packages, Waqala Delhi & Mumbai Gamca & Medical Services Emigration, Visa Stamping, Currency Exchange, Money Transfer

Vakrangee Kendra — AB POORI DUNIYA PADOS MEIN | ATM — ALL BANK CARDS ARE ACCEPTED

- Withdrawal & Deposit Money from All Bank (ATM & Adhaar Services)
- Passport, Pan Card & Driving License Services
- Common Services Center (csc) & Sahaj Jan Seva Kendra Related Services
- Aadhar Card Correction Online

Card nahi? Koi baat nahi... Scan Karo, Paisa Nikalo! Bina card ke sirf QR scan karein aur turant cash payein. Scan » Withdraw » Done

प्रो0- मो0 आसिफ
7860303530, 9616636079

उप- संपादक
डॉ. इम्तियाज अहमद
उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक | मो0- 9695970605

www. uttarshaktinews.com | YouTube UTTAR SHAKTI TV NEWS | E Mail- uttarshaktijaunpur7066@gmail.com | Uttar Shakti News Jaunpur

निकट- नसीराबाद चौक, पूर्व प्रधान नेयाज़ अहमद कटरा, मानीकलां, जौनपुर (उ. प्र0)